अपनी समझ का सहारा ना लेना

 आइए हम खड़े रहे, अब क्षण प्रार्थना के लिए कितनों के पास यहां उनके हृदय में निवेदन है, कि आप यहां चाहेंगे कि परमेश्वर आपके लिए इस बेदारी सभा में विशेष करेगा? आइए अब अपने सिरों को उसके लिए झुकाए।

2 स्वर्गीय पिता, हम लोग एक सौभाग्यशाली लोग कि यहां मिलकर प्रभु यीशु के नाम में इस स्वतंत्र देश में जहां आपकी आराधना अपने विवेक के अनुसार कर सकते हैं, जैसे कि अभी। और हम प्रार्थना करते हैं, पिता कि यह चलता रहेगा। और अब होने पाए हम इस महान सुविधा जो हमें है लाभ उठा पाए और होने पाए हमारा पूरा हृदय आज रात्रि आपकी सेवा में है हो कि आपकी आराधना करें कि यह कहां जा सके कि, "परमेश्वर हमारे मध्य आज रात्रि था, अपने लोगों को आशीष दे रहा है।" हर खोए हुए प्राण को जो आज रात्रि यहां है बचा ले, प्रभु और हर पिछड़ा हुआ, होने पाए वापस परमेश्वर के भवन में आए मैं हर बीमार व्यक्ति के लिए प्रार्थना करता हूं कि चंगा हो जाए और अपाहिज चल सके और अंधे देखें, बहरे सुने, प्रशंसा और महिमा यीशु मसीह के नाम को उसके लोगों के बीच मिले। होने पाए बहुत समय तक लोग याद करें, प्रभु, क्योंकि हम एक स्वयं से एकत्र हुए हैं और यीशु के नाम में मांगते हैं, इन आशीषों के लिए। आमीन।

बैठ जाये।

3 जो भी है, रामादा इन आते हुए, हमेशा ऐसा लगता है जैसे घर वापस आ रहे हैं, इस प्रकार से, क्योंकि मैं यहां बहुत रहा हूं, जब तक कि मैं—मैं सोचता हूं कि इन लोगों को मुझे जान ही लेना चाहिए। और मैं इससे प्रसन्न हूं क्योंकि मैंने अच्छे लोगों का झुंड यहां पाया है। यहां इस रामादा इनके एक ट्यूसान में और एक यहां, वे हम पर बहुत ही दयावंत थे, कि हमें सभाये थी करने दी। अधिक समय नहीं हुआ, मेरी अपनी ही सभाये थी, यहां इस रामादा इनमें और प्रबंधक ने मुझे भवन के किराए का भी भुगतान नहीं करने दिया यह वास्तव में बहुत अच्छा है। मुझे याद है जब मैं राष्ट्रों से भी होकर निकलता हूं, अब वे जो परमेश्वर के घराने के लिए भले है।

4 अब हमारे पास था, रविवार रात्रि से या रविवार दोपहर बाद से, बल्की प्रभु में किसी महान समय में, या कम से कम मेरे पास था। मेरे पास शानदार समय था उसकी आशीषों में आनंद कर रहा था, और पवित्र आत्मा की संगति और उसके लोगों के साथ।

5 मुझे—मुझे वह याद करना अच्छा लगता है, कि हम मिलकर परमेश्वर की आराधना कर रहे हैं। आप परमेश्वर के गुण है, परमेश्वर के भाग, जब आप परमेश्वर के पुत्र और पुत्रियां हो जाते हैं। और परमेश्वर आप में है, अपनी इच्छा चाहता है, यदि आप उसे यह करने दे।

6 इसलिए आज रात्रि हम आशा करते हैं कि हर व्यक्ति उन बातों के विषय में भूल जाएगा जो दिनों में रही और हर चीज को एक और रख रहा है और बस हमारे ह्रदयो को सेवा में रख रहा है अब; केवल इस रात्रि में नहीं परंतु आने वाली बेदारी सभा में। कोई संदेह नहीं बहुत से प्रतिनिधि जमा हुए हैं, आज रात्रि प्रचार मंच पर मैं कुछ औरों को देखता हूं उस बेदारी के लिए जमा है, जो कल से आरंभ है और मैंने लोगों से पूछा जो यहां बेदारी के लिए है, जो हमारी अभी थी कि यदि यह हो सके, मैं चाहता हूं आप इस बेदारी सभा के लिए रूके। हमारे पास बहुत से अच्छे बोलने वाले वक्ता है। एक भाई नहीं आ सकेगा, और, परंतु हमारे पास बहुत से है, जो यहां उसके स्थान में है, मैं पूरी बेदारी में होना चाहता हूं कि उसकी संगति का आनंद लू।

7 आप जानते हैं हम यहां एक सेवकों के समान आए हैं और हम बोलते हैं और हम सदा लोगों हर वह चीज देते हैं, जो हम में है मैंने एक बार एक विषय प्रचार किया, जहां यीशु ने कहा, “कुमदनी को देखो, कैसे वे ना तो वे परिश्रम करते ना ही कातते हैं, और फिर भी मैं तुमसे कहता हूं कि सुलेमान ने अपने सारे वैभव में उनके समान वस्त्र नहीं पहने।” और मैंने पाया, कुमुदनी को दिन और रात बढना होता है, घूमती परिश्रम करती और अपने आप को चमकाती परंतु यह उसमें से कोई आशीष नहीं लेती, अपने लिए वह अपने आप को खोल देती है और—और पास से निकलने वाले उससे सुगंध पाते हैं। और मधुमक्खी उसके ह्रदय से शहद लेती है, वह हर चीज को दे देती है, जो उसने परिश्रम से पाया। और मैंने अपने संदेश को *आदर्णीय श्री लिली* नाम दिया, इस प्रकार का एक अनोखा मूल पाठ।

8 परंतु—परंतु यह सेवकगण अपने आप को लोगों को दे देते, और तब यह अच्छा है, कि बैठ कर और—और दूसरों को सुने जैसे आप से गरम होना, हमें एक दूसरे की आग की लपटों के नीचे बैठना अच्छा लगता है और अपने ह्रदयो को सुसमाचार से गरम करना, कि हमारे भाई, लोगों को प्रचार करते हैं, और मैं इस सुअवसर के लिए आभारी हूं कि यह करूं। और अब मैं आज रात्रि विश्वास कर रहा हूं...

9 बिली ने मुझे बताया कि उसने प्रार्थना पत्र दे दिए हैं, सारे के सारे। और हम प्रार्थना पंक्ति नहीं ले पायेंगे यहां पर यदि हमें लेनी पड़े। देखिए, आपको यहां से घूमकर निकलना होगा और एक अंधेर बडे कमरे में से और इधर से आना होगा आपको हर चीज से ठोकर लगेगी, यहां आने के लिए। और दु:खी और अपाहिज भयानक स्थिति में होंगे, यह करने के लिए।

10 परंतु हम नहीं जानते कि हमारा प्रभु क्या कर सकता है, वह ठीक हमारे बीच उतर सकता है, आज रात्रि और—और हर एक को जो यहां है, चंगा करें, हम बीमारी को। ओह, मैं बल्कि देखना चाहूंगा कि बजाए सारी प्रार्थना पंक्ति को जो कभी मेरे जीवन में हुई केवल—केवल यह देखूं प्रभु सत्ता–संपन्नता परमेश्वर की उसके आज्ञाकारी बालको के बीच में हो। मैं—मैं सदा यह पसंद करता हूं।

11 अक्सर, यदि आपके पास कोई व्यक्तिगत संपर्क लोगों के साथ है, जैसे कि हाथों का रखना, यह हो सकता है, मैं नहीं सोचता बहुत सारे यहां करेंगे, अच्छा, वे कहेंगे, "उस अमुक–अमुक सेवक ने मेरे सिर पर हाथ रखा, और, परमेश्वर की स्तुति हो!" यह लोगों की दृष्टि को सेवक पर ले जाता है बजाये।

12 परन्तु यदि आप केवल यहाँ खड़े हो सके, वचन प्रचारे और पवित्र आत्मा हर एक को चंगा कर दे परंतु यदि आप केवल यहां खड़े हो सके, वचन प्रचारे एक और पवित्र आत्मा हर एक को चंगा कर दें, तो यह पूरी रीती से परमेश्वर का अनुग्रह है, और तब परमेश्वर को सारी स्तुति महिमा मिलती है, और इसमें किसी और की छाया नहीं होती। यही मार्ग है, जो मैं, मेरी सेवकाई में कारण यह कि बहुतों को नहीं लेता, जब तक कि... अब बीती रात्रि हमने जितनों के लिए हो सका प्रार्थना करने का यत्न किया। परंतु हाथों का रखना...

13 यह प्राय: राय रात्रियों में, बस होने पाए पवित्र आत्मा ठीक हमारे मध्य में और अपने आप को प्रगट करें और अपने आप को हमारे बीच में प्रगट करें। और तब उसके द्वारा, में सोचता हूं यह वास्तविक, जब वह अपनी प्रभु सत्ता संपन्न। मैं हो सकता है, देखिए, मैं इस समय नहीं कह सकता "यह पुरुष या *यह* महिला या *यह* बालक," देखिए। पवित्र आत्मा भवन में घूमता है और वह जिस से चाहे बोलता है, वह बोलेगा देखीये, वह प्रभु सत्ता संपन्न है। और फिर वह ज्ञान को लाता है, क्योंकि यह परमेश्वर कि प्रतिज्ञा है और ये सूत्र संपन्न परमेश्वर के ज्ञान को लाता है और उसकी उपस्थिति को भी हमारे बीच में लाता है हमें इसे देखना चाहिए और आनंद करें! और कोई मतलब नहीं...

14 आप कहते हैं, "अच्छा, मैं अपने हाथ से अपाहिज था। पिछली रात्रि मैं वहां पर था, मैं—मैं—मैं कुछ अच्छा नहीं हुआ।" इस बात का इस चीज से कुछ भी लेना देना नहीं; आपके लिए यह पहले ही पूरा हो चुका तब आप अपने हाथ को नहीं देख रहे हैं, आप प्रतिज्ञा को देख रहे है, आप देखिए। और इसलिए आप नहीं कह सकते, "ठीक है, भाई *अमुक–अमुक* ने मेरे लिए विश्वास की प्रार्थना नहीं की, या आदि–आदि।" यह प्रभु की उपस्थिति का विश्वास दिया, आप देखिए, और तब उसने अपना वचन भेजा और उन्हें चंगा कर दिया।

15 अब, बीती रात्रि मैं—मैंने अपनी प्रतिज्ञा फिर तोड़ दी। निश्चय ही आज रात्रि मैं इसे बनाए रखने का यत्न करूंगा, यदि मैं सका। और अब किसी ने कहा, "आप अपने विषय पर पिछली रात्रि नहीं टिके।" नहीं मैं—मैं नहीं; क्योंकि मैं आपको बताऊंगा, क्यों मैं एक विषय पर प्रचार करने जा रहा था, अब, मैं भूल गया, कि क्या "*परंतु परमेश्वर दया में धनी*।"

16 मैं इस बात की व्याख्या करने के यत्न में था कैसे वह पौलुस वहां बोल रहा है, कहा, "मैं इस बात कि व्याख्या करने की कोशिश में था कैसे वह पौलुस वहां बोल रहा है," कहा, "हम जो पिछले समयो में," एक बार किसी और समय बजाये अब के, "हम मरे हुए थे और पापों और अपराधों में; जिसको परमेश्वर ने मरे हुओं में से जिलाया।" अब, देखिए, इसके पहले कोई भी चीज जिलायी जा सके, तो वहां कुछ होना चाहिए जिसके द्वारा जिलाया जाये। यह ठीक बात है।

17 इसलिए, आप देखिए, यदि आप परमेश्वर के पूर्वज्ञान में थे, तो आप परमेश्वर के भाग है और केवल एक ही विधि है कि आप परमेश्वर के पुत्र हो सकते है या परमेश्वर कि पुत्री; आपको परमेश्वर का भाग होना ही है और परमेश्वर आपके बिना पूर्ण नहीं है। होना ही है। यह ठीक बात है क्योंकि एक ही है, अनंत जीवन का केवल एक ही स्रोत है और वह परमेश्वर है और केवल उसी के पास अनन्त जीवन है। समझे? अब, और आप उसका एक भाग थे, उतना कि आप एक गुण थे या उसके विचारों में आरंभ में। और वह, क्योंकि उसने आपके विषय में प्रारंभ में सोचा, यह एक खिचाव उसकी ओर देता है। यही, जिसे जिलाना है; उनमें से कुछ कभी नहीं जीयेगे! उनके पास बस यह है नहीं, बस यही है।

18 जैसे कि आप गेहूं के एक दाने को भूमि में डालें, नहीं हुआ... चाहे वह कितना भी सुंदर था, यदि इसमें जीवन का जीवांश इसमें नहीं है, यह कभी भी जीवित नहीं हो सकता। परंतु पहले वहां जीवन के जीवांश का होना आवश्य है।

19 और मेरे पास उकाब के विषय में वह छोटी कहानी है, जो मुर्गियों और चीजों के साथ घूम रहा है, क्योंकि वह उसी अंडे से बाहर आया और वहां जन्मा है, परंतु, उसे कभी भी उन चूजों के समान अनुभव नहीं हुआ। और आप जानते हैं, जब उसकी मां आयी और शोर मचाया, उसने एक आवाज सुनी, जो कि उसे बहुत ही अच्छी सुन पड़ी, क्योंकि याद रखें, वह एक उकाब था, आरम्भ से ही उसे आकर अपने आप को खोजना था कि अपना स्थान ढूंढे।

20 हर विश्वासी इसी प्रकार से है आप इस संसार के लिए नहीं जन्मे है, आपकी सृष्टि परमेश्वर की स्वरुप पर की गई है कि परमेश्वर के पुत्र हो। और आप इन चूजों के उस आंगन से नहीं है। आप एक उकाब है।

21 और आप जानते हैं, मैंने उस "उकाब" पर और मैं अपना कदम उस भूमि पर से पीछे नहीं हटा सका, इसलिए मैंने पाया... मैं बहुत दूर निकल गया और तब मैं भूल गया, कि मेरा विषय क्या था, और अपनी टिप्पणियां खो दी और सब कुछ, मेरे पास बुरा समय था। परंतु यह जो था, यह बस उस "उकाब" पर था।

22 अब होने पाए वह उकाब, परमेश्वर! आप जानते हैं, परमेश्वर अपने भविष्यवक्ता को उकाब के समान पसंद करता है; वह यहोवा उकाब है, पापा उकाब।

23 और कारण कि वह यह करता है, एक उकाब किसी भी चिड़िया से ऊंचा उड़ सकता है और क्योंकि वह दूसरी चिड़ियाओं से अलग बना है। अब, वह अपना घोसला भूमि पर मुर्गियों आदि के समान नहीं बनाता और आदि–आदि, परंतु वह अपना घोंसला बनाने के लिए ऊँचे पर जाता है।

24 और दूसरी बात, वह विशेष प्रकार से बनी हुई चिड़िया है। अब यदि एक—यदि एक शिकार, या एक कौवा, या एक टीसा आकाश में उसके पीछे चलने की कोशिश करें तो वह चिथड़े हो जाएगा; वह इसके लिए नहीं बना है, उसे एक विशिष्ट व्यक्ति होना पड़ेगा कि वहां पहुंचे उसके पंख दूसरे चिड़ियाओं से अधिक कसे हुए होते हैं।

25 और—और उसकी आंख किसी भी चिड़िया से तेज होती है और वह ऊंचे पर जाता है, और दूर तक देख सकता है। अच्छा, उनमें से कुछ चिड़ियायें जब वे जितना ऊंची उडती है, जितना वह उड़ सकती है, वे चमगादड़ के समान अंधी हो जाती है। और इसी प्रकार से होता है... ठीक जब वे उस मतसार को छोड़ते हैं, तब भी इस विषय में कुछ भी नहीं जानते। "आश्चर्यकर्मों के दिन बीत गए।" क्यों? वे इसे नहीं देख सकते।

26 परंतु उकाब आकाशो के आकाश और आकाश में वहां आ सकता है। वहां ऊपर जाने से क्या लाभ है, वहां यदि आप देख नहीं सकते? ओह, मैं उनमें से होकर बहुत आनंदित हूं, और उनके साथ होकर उनके सारे झुंड में अब।

27 आईये पुराने नियम में निकालें, नीतिवचन की पुस्तक सुलेमान द्वारा लिखी हुई, संसार की सबसे बुद्धिमानो में से एक प्रभु यीशु के बाद। परंतु वह ठीक सुलेमान की तरह नहीं था कि वह सुलेमान एक पुरुष स्त्री से जन्मा और पृथ्वी के पिता दाऊद से जन्मा। परन्तु यीशु कुंवारी से जन्मा पुत्र था, और वह कुल मिलाकर एक पुरुष नहीं था परंतु वह एक परमेश्वर था, परमेश्वर मनुष्य और वह मनुष्य से बढकर था, वह एक मनुष्य था उससे अधिक और वह एक मनुष्य से बढ़कर था वह एक मनुष्य था, और अधिक। समझे? परंतु सुलेमान एक मनुष्य के समान जैसे आप और मैं और उसने परमेश्वर से बुद्धी मांगी कि अपने राज्य को चलाये। और उसके

पास बुद्धि का वरदान था, और बहुत ही समझदार मनुष्य जो हमने कभी अपने प्रभु के अलावा जाना। उसने नीतिवचन लिखें और मैं सोचता हूं, वे बहुत ही अच्छे हैं।

28 अब हम नीतिवचन की पुस्तक खोलने जा रहे हैं, पहला अध्याय और या दूसरा अध्याय, बल्कि, और पहले कुछ पद नीतिवचन, दूसरे के, पहले से आरंभ करके नीतिवचन दूसरा एक से सुलेमान अपने पुत्रों को निरंतर शिक्षा दे रहा है, "मेरे पुत्र यदि तू ग्रहण करेगा... " मुझे क्षमा करें।

29 यह नीतिवचन 3:1 है मुझे खेद है, मैंने यहां अपनी पुस्तक में देखा और मैं देखता हूं कि यहां नीतिवचन तीन है, बजाये एक या दो के। मुझे खेद है नीतिवचन 3:1।

> *हे मेरे पुत्र, मेरी शिक्षा को ना भूलना: अपने हृदय में मेरी आज्ञाओं को रखे रहना:*
>
> *क्योंकि ऐसा करने से तेरी आयु बढ़ेगी, और तू अधिक कुशल से रहेगा।*
>
> *कृपा और सच्चाई तुझसे अलग ना होने पाये; वरन उनको अपने गले का हार बनाना और अपनी हृदय रूपी पटिया पर लिखना:*
>
> *तो तू परमेश्वर और मनुष्य दोनों का अनुग्रह पाएगा, तू अति बुद्धिमान होगा।*
>
> *तू अपनी समझ का सहारा ना लेना,* वरन संपूर्ण मन से यहोवा पर भरोसा रखना
>
> *उसी को स्मरण करके सब काम करना, तब वह तेरे लिए सीधा मार्ग निकालेगा*

30 ओह, मैं सोचता हूं यह बहुत ही सुंदर वचन है! अब मैं पांचवे पद से एक विषय लेना चाहता हूं, *अपनी समझ का सहारा ना लेना*।

31 अब यहां जिस दिन में हम रह रहे हैं यह बड़ा अनोखा विषय है, क्योंकि आज निश्चय ही शिक्षा पर ही सारा जोर दिया जाता है और चीजों की हमारी समझ पर, सीखने का दिन। परंतु हम यहां यह पाते हैं कि यह अनोखा वक्तव्य है, जैसे दूसरे वचन, इसका अपना स्थान है और हम विश्वास करते हैं कि परमेश्वर हमें यह देखने देगा कि स्थान कहां पर है।

32 आज हम अपने बालको को विद्यालय में भेजते हैं कि समझ प्राप्त करें। तब इसके बाद में व्याकरण के विद्यालयों से निकल कर आते हैं, तब हम उन्हें हाई स्कूल में और अच्छे ज्ञान की समझ के लिए भेजते हैं। तब इसके बाद वे उसमें होकर निकलते हैं, और कुछ बालक इतने सौभाग्यशाली होते हैं कि कॉलेज भी जा पाए और कॉलेज से होकर उनकी शिक्षा पूरी होती है और उनकी ज्ञान की समझ। और जो कुछ वे उसके द्वारा अर्जित करते हैं... बहुत बार कि नौकरी पाये, आपके पास कम से कम हाईस्कूल की समझ होनी चाहिए या कॉलेज की शिक्षा या इसी प्रकार से।

33 फिर भी, बुद्धिमान सुलेमान ने हमें बताया, "इसकी और ना झुके अपनी समझ पर नहीं इन बातों को ना सीखें।" क्योंकि, हमें आश्चर्य कर्म होता है क्यों उसने इस प्रकार की बातें कही इसलिए कि क्योंकि हमारी आधुनिक समझ से अक्सर मनुष्य की बुद्धि, जो परमेश्वर के वचन के विपरीत है। मैं सोचता हूं, यही जो सुलेमान अपने पुत्रों को परामर्श देने का यत्न कर रहा है, ना कि अनपढ़ होने का था, परंतु अपनी समझ का सहारा ना ले।

34 और मैं सोचता हूं कि आज यह एक अच्छा उत्साहित करना होगा, यदि हमने अपने पुत्रों से कहा और परमेश्वर के पुत्रो से कि यह ठीक है कि शिक्षा प्राप्त करें, इसके विरोध में कुछ नहीं है; परंतु वह शिक्षा जब परमेश्वर के वचन के विरोध में है तो वचन कि ओर हो जाओ और अपनी शिक्षा को जाने दो, देखिए क्योंकि, वचन और शिक्षा खड़ी होगी और आपको एक अच्छा नौकरी देगी, संभवता बुद्धिमान लोगों के बीच में एक अच्छी स्थिति, परंतु, यह ठीक है, जो कि हो सकता है आपके लिए एक बड़ी सहायता हो आपके पैसों के मामले में और आपके—आपके जीवन यापन में, हो सकता है, आपके जीवन शैली में आपके लिए और अच्छा।

35 परंतु मेरे पुत्र एक बात याद रखना, आपको मरना है। कोई मतलब नहीं आपके पास कितनी शिक्षा है, आप कितनी भी सभ्यता बटोर ले, फिर भी आपको मृत्यु का सामना करना है, क्योंकि यह लिखा हुआ है, कि "मनुष्य को मरना ही है, और उसके बाद न्याय।" और परमेश्वर, जब... मृत्यु इतनी खराब नहीं है, परंतु न्याय में आना खराब भाग है। अब, आप मर सकते हैं, "परंतु इस न्याय के बाद।" और परमेश्वर... आपसे यह पूछने नहीं जा रहा है कि आपने कितनी शिक्षा प्राप्त की है, जब आप पृथ्वी पर थे। आपने कितना ज्ञान अर्जित किया क्या आपने कला स्नातक या जो भी डिग्री

आपके पास हो सकती है, यहां तक कि एक सेवक के समान। आपसे यह मांग नहीं की जाने वाली है।

36 परंतु आप से पूछा जाएगा, आपने परमेश्वर के वचन की समझ के विषय में क्या किया यही वहां मांग आती है क्योंकि ये आपकी शिक्षा अच्छी है, परंतु परमेश्वर का वचन जीवन है। "मेरा वचन जीवन है" उसको जानना जीवन है। और वह, उसने कहा, "उसे जानना।" वह वचन है। इसलिए आप उसे केवल उसके वचन से जान सकते हैं, क्योंकि वह वचन है। केवल यही, केवल एक मार्ग है कि आप उसे जानेंगे, उसके वचन के द्वारा।

37 कोई आ सकता और कहता है, "*यह* परमेश्वर है," या "*वह* परमेश्वर है," या "*यह* परमेश्वर है," या "*यह* सही है," और "*वह* सही है," परंतु हम वचन पर वापस आते हैं, जो की सत्य है।

38 और वचन उत्तर के तारे के समान है, यह सच्चा तारा है कोई मतलब नहीं संसार किस और तैर रहा है, उत्तर का तारा पृथ्वी के मध्य में है। आप अपनी दिशा सूचक उत्तर के तारे की ओर बैठाते हैं। यह सदा पृथ्वी के मध्य पर रहता है। दूसरे तारे संसार के चारों ओर तैरते हैं, परंतु उत्तर का तारा स्थिर रहता है।

39 अब, दिशा सूचक पवित्र आत्मा है, और (वो) आपका—आपका बंधन उत्तर का तारा होगा, इसलिए पवित्र आत्मा सदा वचन की ओर संकेत करेगा। पवित्र आत्मा आपको सिवाये वचन को छोड़ और कहीं भी अगुवाई नहीं करेगा। इसलिए मनुष्य कैसे मतसार को स्वीकार कर सकेगा, जब कि यह वचन के विरोध में है, और फिर भी कहे उसके पास पवित्र आत्मा है? क्या पवित्र आत्मा उससे अलग संकेत करेगा। ये पवित्र आत्मा को लेकर आपको वचन की ओर संकेत करेगा, क्योंकि वह वचन है वह वचन है, और यह केवल... जैसे चुंबक दिशा सूचक मैं केवल उत्तर ध्रुव कि ओर स्थिर होता है, वही केवल मार्ग है जो खींच सकता है। और जब पवित्र आत्मा ही लेखक और लिखने वाला और वचन को जीवित करने वाला, तो वह कैसे व्यक्ति की ओर संकेत कर सकता है, या किसी चीज को सिवाये वचन के?

40 इसलिए जब एक व्यक्ति कहता है कि उनके पास पवित्र आत्मा है और वचन विरोधी बातों को स्वीकार करते हैं तो यह दर्शाता है कि उनके पास वास्तविक पवित्र आत्मा मसीह का नहीं है। अब, आप जानते हैं, बहुत सी

बार वे एक दूसरे की आत्माये ले लेते हैं, और इसलिए वह एक जैसे मनुष्य के झुंड की ओर संकेत कर सकता है, विशेष बात के लिए, परंतु यह—यह मसीह की ओर संकेत नहीं करता, परंतु पवित्र आत्मा सदा मसीह की ओर संकेत करता है, और मसीह वचन है।

41 इसे हम बाईबल में स्पष्ट देखते हैं। या मैं, हो सकता है, मैं गलत हूं, परंतु मेरे विचार में, परंतु मैं ऐसा नहीं सोचता; क्योंकि, ये, यह; "अपनी समझ की बातों की ओर ना झुको।" यदि आप अपनी समझ का सहारा लेते हैं, तो आप निश्चित रूप से सही मार्ग से हटने जा रहे हैं, आप किसी और कि समझ का सहारा नहीं ले सकते, जब यह जीवन पर आता है। जीवन पाने के लिए, आपको वचन का सहारा लेना ही है। ये जीवन है।

42 हम यहां आरम्भ से देखते हैं। यह हम पर इतना स्पष्ट किया गया है, आरम्भ से कि परमेश्वर इस पृथ्वी पर अपने पहले परिवार को अपना वचन दिया कि इसके द्वारा जीवित रहे, केवल उसका वचन जिसके द्वारा जीवित थे। अब यह भोजन के खाने के द्वारा नहीं और आदि–आदि। परंतु उसके वचन के द्वारा उन्हें अनंत काल में जीना था। और जब तक उन्होंने वचन का पालन किया, वे अनंतता में जीवित रहे। परंतु पहले वचन का छोटा सा भाग हटा दिया गया था, और सारा क्रम टूट गया और मनुष्य जाति पृथ्वी मृत्यु में डूब गई। देखिए, अब हम ध्यान देते हैं।

43 हवा, कोई संदेह नहीं एक चतुर व्यक्ति थी; आदम का दाहिना हाथ, जो कि परमेश्वर का पुत्र था। और हवा निश्चित रूप से उस बिंदु पर होने के कारण, वहां जहां कोई पाप नहीं था, पाप के लिए कोई स्थान नहीं था उसे निश्चित रूप से उसे यह शानदार धारणा मालूम थी कि परमेश्वर क्या था। क्योंकि हम दोपहर बाद वह और उसका पति वाटिका के ठंडे मैं सांझ में परमेश्वर से आमने–सामने बातें किया करते थे। क्या ही अकारण बात है कि एक व्यक्ति जो परमेश्वर के आमने–सामने घूमता हो, हर दिन, और फिर तर्को पर घूम जाए किसी चीज के और तर्क से परमेश्वर के वचन से हट जाए!

44 वे अब हमारे पास है। परमेश्वर की उपस्थिति में बैठने के बाद वे इतनी सरलता से, परमेश्वर के वचन पर तर्क हीन हो जाते हैं। परमेश्वर के वचन को प्रचार होते हुए देखते हैं, परमेश्वर का वचन प्रगट होता है, पियक्कड़ और पापी वेदी पर आते हैं और मत परिवर्तन होकर मसीह में नई सृष्टि हो

जाते हैं, बुरी छवि वाले लोग महिला और सज्जन पुरुष बन जाते हैं; और फिर उस आशीषित चीज से फिर जाते हैं, जिसने उस जीवन की ओर अगुवाई की थी और फिर किसी प्रकार के मतसार से दूषित हो गए, कि अधिक लोकप्रिय हो जाए या—या उन में आ जाए, जो अच्छी श्रेणी के लोग कहलाते हैं।

45 क्यों, आप उस सबसे अच्छे वर्ग में है, जो वहां पर है: परमेश्वर के पुत्र और पुत्रियां। ठीक है, मैं उस संगति को अधिक पसंद करता हूं बजाये कि मैं उन राजाओं और प्रभावशाली और सब के साथ रहू। मुझे नम्र लोगों का झुंड दे दो, यदि वे अपना उल्टा और सीधा हाथ भी नहीं जानते! जब तक वे परमेश्वर को जानते और उससे प्रेम करते और उसकी सेवा करते हैं, वे मेरे लिए स्वर्ग के यशस्वी लोग हैं। जी हां, श्रीमान!

46 अब, परंतु हम पाते हैं कि हवा शैतान के द्वारा आसानी से भरमा ली गई, परमेश्वर के वचन से और उसने अपनी समझ का सहारा लिया, क्योंकि शैतान ने उसे कुछ ऐसा प्रस्तुत किया, जो कि उसके लिए परमेश्वर की वास्तविक समझ नहीं थी। परंतु उसे शत्रु के द्वारा कुछ और ऐसा बताया गया था, शैतान के द्वारा और उसने इसका विश्वास किया।

47 हम इसके परिणाम पाते हैं। इसने सारी मानव जाति को मृत्यु में डूबा दिया क्योंकि, पृथ्वी पर पहली मां ने अपनी समझ का सहारा लिया, परमेश्वर के वचन के विरोध में और सारी मानव जाति को मृत्यु में डूबा दिया, अब क्या आप इसका विश्वास करते हैं? [सभा "आमीन" कहती है।—सम्पा।] यह वचन है। ठीक है, एक स्त्री सदा...

48 बाईबल में, स्त्री कलीसिया का प्रतीक है। और आज एक कलीसिया, धर्म सिद्धांतों का गठ्ठर या मतसार स्वीकार कर सकती है, और सारी भक्तमंडली को परमेश्वर से अलगाव में डुबा देते हैं। वे लोग जो इन बातों को अपना लेते हैं, बजाए परमेश्वर के वचन के हवा के समान है और यह बार बार हुआ है, जब तक कि सारी पीढ़ी परमेश्वर के वचन से अलग नहीं हो गई।

49 और जब वचन प्रगट हुआ, वचन प्रकाशित हुआ, वे इसे स्वीकार नहीं करेंगे क्योंकि, वे यह नहीं करेंगे, क्योंकि वे अपनी समझ का सहारा लेते हैं। "यह आराधनालय यहां बना है। यह है सुंदर स्थान है, यह एक महान संस्था है, यह बहुत सारे सदस्यों की एक सभा है, हम इस से क्यों संबंध

रखें? मैं इसमें विश्वास करूंगा।" विश्वास, अपनी समझ पर नहीं, परंतु प्रभु के वचन पर विश्वास!

50 अब—अब अंतः यह सारी जाति की मृत्यु में अन्त होता है, जैसा मैंने कहा ठीक वैसा जैसे अब, बहुत से लोगों को जो अपनी समझ पर भरोसा रखते हैं, उनके धर्म सिद्धांत और मतसार और आदि—आदि, दावा कर रहे हैं, "परमेश्वर का वचन कुल मिलाकर सच्चा नहीं है, कुछ तो इसमें प्रेरणा से है कुछ नहीं।" आप बाईबल में कैसे विश्वास कर सकते हैं, यदि कुछ भाग प्रेरणा से है, और कुछ नहीं? यदि एक यदि एक अपतरण गलत है, तो फिर सारी बात गलत हो सकती है। इसे सारे को सही होना चाहिए, बिल्कुल ठीक।

51 और यह कुछ कहलाने वाले मिलावटी, बाईबल विद्यालय मनुष्यो कि शिक्षा का ज्ञान जमा कर रहे हैं, जहां वे एक साथ जमा होते हैं, और लोगों की सभा में बैठते हैं, और कहते हैं, "अब देखिए, यदि आश्चर्यकर्मों के दिन, ये चेलों के दिनों में समाप्त हो गए थे।" और बहुत सारे लोग बिशप कि अधीनता में या बड़े लोगों के वहां बैठकर, और कहते हैं, "भई, यदि मैं उनके साथ सहमत हो सकता हूं, कोई संदेह नहीं, परंतु पंक्ति में मैं अगला उसका स्थान लेने के लिए हूं।" देखिए, तब आप अपनी समझ का सहारा लेते हैं, बजाये इसके कि अपने दोनों पैरों पर परमेश्वर के वचन के लिए खड़े हो। इन बातों का यही कारण है।

52 कुछ समय पहले, कोई... इनकम टैक्स के मामले में मैं विवाद में था और उन्होंने मुझसे कहा, "क्यों आपके ट्रस्टी कठपुतली के अलावा और कुछ नहीं है, मैं समझता हूं।"

53 मैंने कहा, "यदि ट्रस्टी बोर्ड में था, जिसका भिन्न विचार है, और पक्ष में खडे नहीं होंगे और (मैं चिंता नहीं करता इस विषय में कौन बोल रहा है) वह इस विषय में अपने विचार प्रगट करेगा, मैं उसे बोर्ड में से निकाल दूंगा।" जी हां, श्रीमान। यदापि यह मेरे विश्वास के विरोध में था, मैं चाहता हूं वह बतायें जो वह सही सोचता है। इसलिए मैंने उसको वहां पर लिया है, देखिए वह इस विषय में क्या कहता है। परंतु हमारे पास ये है।

54 ध्यान दे, संत यूहन्ना 10 में कहा, "मेरी भेड़ मेरा शब्द जानती है।" एक आवाज, निसंदेह उसका वचन है, जब वह बोल रहा है, "मेरी भेड़ मेरी आवाज को जानती है। मेरी आवाज उन पर प्रमाणित है कि यह सत्य

है। यह प्रमाणित है कि यह मेरी आवाज है।" अब, अब ध्यान दें, वे दूसरी आवाज में पीछे चश्मे के लिए है नहीं, वे नहीं सुनेंगे। "मेरी भेड़ मेरी आवाज को पहचानती है, अपरिचित के पीछे नहीं चलेगी।" दूसरे शब्दों में, वे धर्मविद्यालय की आवाज को नहीं समझेंगे, जो कि वचन के विरोध में सिखाती है। भेड़ उसको नहीं समझती है, वह उकाब से ऊपर नहीं है बीती रात्रि, मुर्गी की कुडक की आवाज को नहीं समझ सका। वे इसे नहीं समझते क्योंकि वह एक उकाब था। और परमेश्वर के नया जन्म पाए हुए बालक के साथ यही बात है, वे केवल परमेश्वर की ही बात को समझते हैं।

55 अब कोई कहता है, "ठीक है, अब देखिये, आप *यह* कर सकते है, मैं सोचता हूं, यह, मैं ये विश्वास करता हूं, यह *इस* प्रकार से नहीं है। मैं विश्वास करता हूं कि आश्चर्यकर्मों के दिन बीत गए। मैं विश्वास नहीं करता कि यह दिव्य चंगाई है। मैं यह विश्वास नहीं करता।" अब एक सच्चा फिर से जन्म पाया मसीही, यह उसके कानों में कभी नहीं सर रुकेगा, वह इसे बिल्कुल नहीं समझता। और कैसे एक मनुष्य जो परमेश्वर में विश्वास करता है और बाईबल पढ़ सकता है और देखता है कि वह कल, आज और सदा तक एक सा है, वह कभी ऐसी बात को स्वीकार करेगा, जैसे यह, मैं यह नहीं समझता।

इसलिए वे अपनी समझ का सहारा नहीं लेते।

56 जैसे कि एक—एक बालक। आप एक छोटे बालक को लेते हैं, और उसका जन्म होने दे और उसे अपनी मां के छाती कि ओर झुकने दे कि अपनी मां का गर्म दूध पीये उसका छोटा सिर मां की छाती की ओर झुकता है, यदापि वह कुछ ही घंटों का है। और तब से एक–दो दिन बाद, उसे उसकी मां से हटा दें और उसे एक अपरिचित मां की छाती से लगाए, वह अपने छोटे–छोटे पैरों को हवा में मारता और चिल्लाता है। यह उसकी मां नहीं है। उसके अंदर इस विषय में पहले ही कुछ है, क्योंकि वह इस माँ का भाग है तो भी प्रकृति ने उसे एक मार्ग दिया है कि अपनी मां को पहचाने।

57 और यदि प्रकृति ने उसे एक मार्ग उस बालक के लिए दिया है कि अपनी मां को पहचाने, कि वह कहां से जन्मा है, तो फिर परमेश्वर के पुत्र को कितना अधिक है, जो परमेश्वर के आत्मा के द्वारा जन्मा है। वह अपनी मां को जानता है! वह जानता है क्योंकि वह वचन से जन्मा है, और वह वचन को समझाता है। उसे एक अपरिचित स्थान में रख दे, निश्चय ही वह

अपने स्थान में नहीं, वह वहां से जितनी जल्दी हो सके निकल जाएगा। क्योंकि उसके पास वह झुकता नहीं...

कोई कहता है, "प्रिय अब प्रतीक्षा करो, अब यह तुम्हारी मां है।"

58 वह उसकी मां नहीं है, क्योंकि उसके पास जानने कि एक विधि है, कि वह इस मां का भाग है। यह उसकी मां है कोई भी कभी उसका स्थान नहीं ले सकता। वह अपनी मां को जानता है। ध्यान दें, कैसे हैं, यह वास्तव में कैसे हैं, परमेश्वर ने हर चीज को उसके प्रकार के अनुसार बनाया है।

59 पशु को उसके प्रकार के अनुसार। बहुत सी बार, उन्हें घेरने में हम मवेशियों के पूरे रेवड़ को छोटे बछड़ों को घेर लेते हैं, मुझे आश्चर्य होता था, कि वे कैसे अपनी मां को कभी जान पाते हैं। और अब वे पहाड़ों पर से आते हैं, सारे मवेशी आपस में मिल जाते हैं। एक—एक—एक गाय अपने बछड़े के साथ, हो सकता है एक बछड़ा अधिक भूखा हो तो थोड़ा सा दूसरी मां का दूध पी ले, यदि वह सही में भूखा है; परंतु जब हम उन्हे मैदान में रुकाते, तो मां गायों कि उस भीड़ में ढूंढना शुरू करती, जब तक अपने बछड़े को ढूंढ ना ले, और बछड़ा मां के लिए भागता फिरता। यह उसका विशेष रिरियान और चिल्लाना जानता है। और वह उस बछड़े के लिए चिल्लाती है, और दूसरी मांये चिल्ला रही है, यहां तक कि आप स्वयं भी नहीं सुन सकते सोचिए, परंतु वह छोटा बछड़ा अपनी मां की विशेष पुकार को ढूंढ लेगा, क्योंकि वह अपनी मां का भाग है।

60 और स्वर्ग से जन्म पाया हुआ मसीह, वह इस वचन का भाग है, ठीक है वह दूसरी मां के पीछे नहीं जाएगा वह वचन का भाग है, वह वचन के साथ रहता है। "यदि तुरही अनिश्चित स्वर देती है, तो फिर कौन अपने आप को युद्ध के लिए तैयार कर सकता है? " पौलुस ने कहा। वह वचन की आवाज को पहचानता है। ध्यान दें, कैसे—यह कैसे हैं, परमेश्वर की पहले ठहराई हुई भुजा उनके पीछे पीछे होती है वह जानता है कि वह ठहराया हुआ था, वह सुसमाचार की सच्चाई में था। उसे मालूम है वह परमेश्वर के आत्मा के द्वारा जन्मा है। वह जानता है कि परमेश्वर का आत्मा परमेश्वर के वचन का इनकार नहीं कर सकता, इसलिए वह अपरिचित के पीछे नहीं जाएगा। अब ध्यान दें...

61 मैं यहां पीछे टिप्पणी देख रहा था, जिसे मैंने यहां लिखा था। मैं—मैं इसे छोड़ गया, परंतु मैंने अचानक पढ़नेवाले वचन को देखा सोचा, मैं

इसका फिर से उल्लेख करूंगा। ध्यान दें, कैसे उसकी पहले से ठहराई हुई भीड़ ने उसका अनुकरण किया, ठीक उन महान धर्म विज्ञानियों के दिनों में जो कभी हुए थे वे सीधे बाहर आ गए, क्योंकि वे उसे जान गए। वे जान गए कि वचन में इस दिन के लिए क्या प्रतिज्ञा ही है। वे जान गए कि मसीह को किस प्रकार से होना था जब वह आया। और शमौन पतरस उसके पास आया जो कि तब केवल "शमौन" था।

62 और इंद्रियास ने उसे इस विषय में बताने का यत्न किया। "यह मनुष्य मसीहा है।" अच्छा, शमौन, निसंदेह, हो सकता है, वह थोड़ा मोटी समझ वाला हो और वह नहीं जाएगा।

63 परंतु जब वह यीशु की उपस्थिति में आया, जब यीशु ने कहा, "तेरा नाम शमौन है, और तू योना का पुत्र है।" अब हम जानते हैं कि यीशु ने अपने चेलों को बताया, कि वह उन्हें जानता है और वह "पृथ्वी के रचने से पहले।" वे उसके विचारों में गुण थे। इसलिए उस बीज के नाते जो उनमें रखा था और उसे मालूम था कि वचन ने कहा है, और यह प्रतिज्ञा दी है कि मसीहा एक भविष्यवक्ता होगा। और जब उसने यह देखा कि वह मछली पकड़ने में समझ रखता है। तब वह जान गया कि वह अपना जाल छोड़ देगा, क्योंकि वह जाएगा जाकर मनुष्यो का पकड़ने वाला हो जाएगा। क्योंकि...

64 अब वहां पर दूसरे भी खड़े थे, जिन्होंने वही चीज होते हुए देखी, और इसे "प्रेतात्मा" वर्गीकृत किया। ये धर्म वैज्ञानी थे, क्योंकि यह उनके धर्म विज्ञान की शिक्षा के स्वाद अनुसार नहीं था, और उन्होंने इसे अस्वीकार कर दिया, क्योंकि उन्होंने अपनी समझ का सहारा लिया, अपने डॉक्टरों के द्वारा; जब, यीशु मसीह प्रतिज्ञा के वचन को पूरा करने के द्वारा आया, और वे उसे देखने के लिए बिल्कुल अंधे थे उनका झुकाव उधर हुआ जो याजको ने कहा, और उस पर जो कलीसिया ने कहा, बजाए कि उस पर जो परमेश्वर ने कहा।

65 अब, इसके लिए यीशु ने उनको डांट लगाई उसने कहा "वचनों में ढूंढो, क्योंकि तुम दावा करते हो कि उसमें तुम्हें अनंत जीवन मिलता है। और ये वे है, जो मेरी गवाही देते हैं। ये वचन जो मैं तुमसे ढूंढने को कहता हूं, वे तुम्हें बताएंगे कि मैं कौन हूं।"

66 परंतु वे उधर वचन की ओर नहीं झुकेंगे जो कहा, परंतु उन्होंने अपनी समझ का सहारा लिया था। वे अपनी ही समझ का सहारा लेंगे, और वचन ने हमें बताया कि उन पर पर्दा पड़ा था उनके अपने धर्मविज्ञान का पर्दा उससे अंधे हो गए।

आप कहते हैं, "भाई ब्रन्हम, आप कहां ले जाना चाहते हैं? "

67 मैं बस इस पर आना चाह रहा हूं। कि चीजें फिर से हो रही है, जब तक पुरुष और स्त्रियां; और लोग, किसी विशेष कलीसिया का सहारा लेंगे, जिसके वे सदस्य है और संबंधित है, कोई मतलब नहीं, परमेश्वर का वचन क्या कहता है, इस विषय में। वे सीधे उसी के साथ है, अपनी ही समझ का सहारा ले रहे हैं, और परमेश्वर के वचन पर ध्यान नहीं देते, जैसे कि यह लिखा ही नहीं था, (कभी नहीं) यह मनुष्य के जीवन का ना उगने वाला बीज है। इसमें भौतिक जीवन है, कोई आत्मिक जीवन नहीं कि जीवित हो जाए। उनके चेहरों पर पर्दा पड़ा था।

68 अब ध्यान दें, उनके अपने ही विचार थे कि परमेश्वर को क्या होना चाहिए, उनके अपने विचार ये कि मसीह को कैसा होना चाहिए, परंतु वचन ने कहा, कि मसीह को क्या होना चाहिए! अब देखिए, उनकी अपनी समझ थी कि वह क्या होगा। कोई संदेह नहीं, परंतु जो महायाजक ने कहा, "मेरे सारे याजक मेरी अधीनता में है अब जब मसीह आता है... हमने यहां एक बड़ा मंदिर बनाया है, हमने यह सब किया है और बाईबल ने कहा, 'वह अचानक से अपने मंदिर में आ जाएगा' और ये सारी बातें। जब वह यह करता है, मसीह सीधा यहां पर आएगा और अपने आपकी हमारे साथ पहचान करायेगा और कहता, 'मैं मसीहा हूं, मैं आ गया हूं, मैं वह मसीहा हूं, जिसकी तुम प्रतीक्षा कर रहे हो।'" ठीक है, जब वह आया, वह इतने भिन्न मार्ग से आया, जो उन्होंने सोचा नहीं था, वे उसे पहचान नहीं पाए वे नहीं जान पाए वह कौन था। परंतु उसका...

69 ओह, यदि कोई ढोंगी वहां पर आता और बोलता, "मैं मसीह हूं, मैं डॉ *अमुक–अमुक* हूं"? तो वे उसे स्वीकार कर लेते।

70 परंतु जब आप एक मनुष्य के पास आते हैं, जो बुरे नाम के साथ जन्मा किसी विद्यालय की कोई शिक्षा नहीं, वह कभी भी सीखने नहीं गया, किसी धर्म विद्यालय नहीं गया, कोई संगति पत्र नहीं; परंतु वह परमेश्वर के वचन का अनुवाद था, प्रगट हुआ "वे काम जो मैं करता हूं तुम्हें बताएंगे कि मैं

कौन हूं। यदि मैं उन कामों को ना करूं जिनकी प्रतिज्ञा दी गई है, तो मेरा विश्वास ना करो।"

71 और क्या हम इसे आज के दिन के लिए नहीं ले सकते? जब पवित्र आत्मा आता है, जिसे वे कि और युग के लिए लागू करते हैं, जब वह कार्य और अनंत जीवन की सामर्थ के प्रदर्शन में आता है, तब लोग इसे एक—एक "बिगड़ी हुई धर्मांधता कहते है।" क्यों? वे अपनी समझ का सहारा ले रहे है, और ना कि प्रभु के वचन को। आप जानते हैं, यह ठीक बात है।

72 वह प्रमाण जो परमेश्वर की प्रतिज्ञा के प्रगटीकरण का अनुवाद है।

73 संभव है मैं यह कहूंगा, इसे थोड़ा और स्पष्ट करूंगा। जब परमेश्वर वचन बोलता है, उसे कोई आवश्यकता नहीं कि कोई पुरुष या कोई स्त्री या कोई भी, कहे कि इसका क्या अर्थ है। जब उसने कहा... अच्छा, तुम कहते हो, "परमेश्वर का अर्थ यह है।" परमेश्वर का अर्थ वही जो वह कहता है। समझे?

74 अब वहां अपने वचन का अनुवाद कैसे करता है? उसे पूरा करने के द्वारा। बाईबल ने कहा, "एक कुंवारी गर्भवती होगी," वह हुई। इसमें अनुवाद की कोई आवश्यकता नहीं। परमेश्वर ने कहा, "उजियाला हो जाए," और वहां था। इसको अनुवाद की कोई आवश्यकता नहीं है।

75 परमेश्वर ने यह भी कहा, कि अंत के दिनों में, "वह अपना आत्मा सब प्राणियों पर उंडेलेगा," और उसने ये किया। इसमें अनुवाद की कोई आवश्यकता नहीं है। इसे केवल स्वीकार करने की आवश्यकता है कि कोई स्वीकार करें कि परमेश्वर ने क्या किया। इसमें अनुवाद की आवश्यकता नहीं है। परमेश्वर अपने वचन का स्वयं अनुवाद करता है। दिन प्रतिदिन जो चीजें हम देखते हैं, जिनकी परमेश्वर ने प्रतिज्ञा की है, कि वह इन बातों को अंत के दिन में करेगा।

76 आज लोग वैसे ही है जैसे तक थे, अपनी समझ का सहारा लेते हैं, "मेरा पास्टर कहता है यह 'धर्मांधता है।'" परंतु बाइबल ने कहा यह घटित होगा। आप किसी की समझ पर टिकने जा रहे हैं?

77 बाइबल में अंत के दिनों के लिए प्रतिज्ञा दी है, "लौदीकिया कलीसियायी युग इतना धनी होगा और इतना भरपूर... अपने में धनी, 'मैं धनी हूं, मुझे किसी चीज की आवश्यकता नहीं है। मैं एक रानी के समान हूं।'" और वह धनी है। और उसने कहा, "तू नहीं जानता कि तू

अभागा है।" अब यह सारा कलीसियायी युग, कलीसिया! "लौदीकिया की कलीसिया को, तू नंगा है, अंधा, कंगाल, अभागा और यह नहीं जानता।" अपनी विलासिता में बैठा है, दस हजार गुना, दस हजार और हजारों सदस्य, संसार का सारा धन इसके हाथों में है लगभग आज की तारीख में कैथोलिक कलीसिया प्रोटेस्टेंट को साथ मिला लें, जैसा कि वे साथ–साथ चल रहे हैं, उनके पास संसार का धन है।

78 हम इस राष्ट्र में अधिक रूप में लगभग टूटे हुए हैं। हमने वह कर उधार लिया है, जिसका भुगतान चालीस वर्ष बाद होगा, उन्होंने मुझे यह बताया है, ऐसा ही उन्होंने *लाइफ लाइन* पर कहा। कर, जो हम अब खर्च कर रहे हैं, उसका भुगतान अब से चालीस वर्षों बाद होगा। मेरा छोटा पोता, यदि यीशु के आने में देरी है, वह पर जिसका भुगतान जब वह चालीस का होगा, तब करेगा उसे हम आज खर्च कर रहे हैं। विदेश की सहायता के लिए भेज रहे हैं, और हमारे अपने इंडियन्स और चीजें भूखों मर रहे हैं; संगति को खरीदने का यत्न कर रहे हैं आप संगति नहीं खरीदते, आप मित्र नहीं खरीदते नहीं, परंतु हम यही जो कर रहे हैं हम इसी प्रकार से जन्मे है, लोगों से हर चीज के लिए कर वसूल रहे हैं, जो ले सकते हैं, कर, कर, कर। और हम युद्ध के कर्जे से बाहर नहीं निकलेंगे, सैकड़ों वर्षो तक, फिर भी, मैं समझता हूं कि हम राजनीतिज्ञो के द्वारा फंसाये गए हैं और हमें इस प्रकार से नहीं होना चाहिए। हमारे पास कोई कारण नहीं है कि उस प्रकार से हो।

79 परंतु कलीसियाये, अपने में धनी हो गई सुंदर। "संसार के धन के समीप," बाइबल कहती है, "कैथोलिक कलीसिया में रखा है।" इसी कारण से रूस ने इसे भगा दिया, क्यों रूस ने इसे निकाला। साम्यवाद की जड़ में यही बात है क्योंकि कलीसिया ने कुछ होने के लिए सिखाया, बाकी संसार से अधिक नहीं था।

80 जब हम वहां फिनलैंड में थे वह छोटा लड़का मरे हुए में से जिलाया गया। वहां वे रूसी सिपाही खड़े थे, सावधानी में, और उन्होंने कहा, "हम उस परमेश्वर को स्वीकार करेंगे, जो मरे हुए को जीवित कर सकता है।"

81 हमने नामधारी, विद्यालय और—और इमारतें बना ली और जो यीशु ने करने को कहा उसमें असफल हो गए। "सुसमाचार प्रचार करो।" हमने संसार को शिक्षित करने का यत्न किया। उसने कभी नहीं कहा, "संसार

को शिक्षित कर दो; वहां जो शिक्षित है बच जाएगा।" आपको फिर से जन्म लेना होगा, आत्मा से भरना। यही कारण है हम बुरी तरह से असफल हो गए, हर जगह देखिए हमारे पास धन है, हमारे पास चीजें हैं।

82 अब क्या होगा? और यह कलीसिया, संसार की कलीसियाओं की सभा एक साथ होती है, क्या आप नहीं देख सकते कि कौन अगुवाई करने जा रहा है? क्या तुम मेथोडिस्ट या प्रेसबीटेरियन यह समझते हो, और बाकी सब, यहां तक कि पेंटिकोस्टल? आप कहते हैं हम नहीं जा रहे हैं। या तो आप अंदर जा रहे हैं या आप नामधारी को वित्तीय संकट में ले जा रहे हैं। आप ये या वह करेंगे। यह ठीक आपके सामने है, यह करना ही है, यह पशु की छाप की बाध्यता है, और यही जो है बिल्कुल ठीक। नामधारीवाद, पूरी रीति से (मैं इसे बाइबल से सिद्ध कर सकता हूं) यह पशु की छाप है। "वह एक वेश्या थी; उसके वैश्याये पुत्रियां थी।" और हम जानते हैं कि यहां सत्य है। संगठित धर्म, यह वचन के विरोध में है और यह अपने सिद्धांतों में मसीह विरोधी है। उसमें की हर चीज मसीह विरोधी नहीं है, परंतु अपने सिद्धांतों में यह व्यवस्था मसीह विरोधी है, क्योंकि यह परमेश्वर के वचन के विरोध में है। हर संगठित व्यवस्था उसी प्रकार से है।

83 आप वहीं पर है, देखिए और किसी और कि समझ का सहारा ले रहे हैं, बजाए कि परमेश्वर कि समझ पर टिके, जिसके द्वारा परमेश्वर ने इस विषय में कहा है। यही कारण है कि यह गलत है। लड़कों धर्म विद्यालयों से निकलते हैं, जिनके पास अच्छी शिक्षा है, इन कहलाने वाले बाइबल विद्यालयों से और हो सकता है, उनके हृदय में परमेश्वर की बुलाहट मिली है और वे वहां बाहर आ गए और वे एक दृष्टिकोण से इतने प्रभावित हो गए कि, "*अमुक–अमुक* ने यह कहा है, बिशप *अमुक–अमुक। इसने* यह कहा। *उसने* यह कहा, सभा के लोग सहमत हैं, इस तरह से *यह* होना चाहिए।"

84 चिंता ना करें कौन क्या कहता है! यीशु ने कहा, "हर मनुष्य की बात झूठी और मेरी सच्ची। कोई मतलब नहीं यह कौन है, मेरी सच्ची!"

85 अब हम कैसे जानते हैं कि सत्य क्या है? जब बाइबल घोषणा करती है, कि कुछ घटित होगा, कि कुछ घटित होने जा रहा है, और यह उसी प्रकार से होता है।

86 अब, बाइबल ने कहा, "कि उसके पास संसार का धन है; सोना, चांदी।"

87 अब यदि हम सोने के मापदंड पर है और हम टूटे हुए हैं, अब क्या होने जा रहा है? क्या होने जा रहा है? आप जानते हैं इस राष्ट्र के धनी लोग, ये बड़े–बड़े कारखाने और शराब बनाने वाले और तंबाकू वाले लोग और इस प्रकार के लोग, वे मुद्रा के बदलाव का पक्ष नहीं लेंगे, इसलिए केवल एक चीज है, जो हमें करना है कि उधार ले। और केवल एक ही स्थान है कि हम उधार ले सकते हैं और जब हम करते हैं, तो हम इसके लिए अपना जन्मसिद्ध अधिकार बेच देते हैं। यह ठीक बात है। तो फिर आप क्या करने जा रहे हैं? कि आप उस व्यवस्था को अपनाने जा रहे हैं। इसे छोड़ आप और कुछ नहीं कर सकते।

88 ओह, लोगों मत सोचो कि मैं... आप सोच सकते हैं कि मैं पागल हूं। परंतु जब मृत्यु में मेरी आवाज शांत हो जाएगी, तो यह टेप फिर भी चल रहे होंगे, और आप पहचानोगे कि मैंने जो कुछ कहा था घटित हो गया। मैं एक सबसे मूर्ख व्यक्ति होऊंगा जो पक्ष में खड़ा होगा, जो मैंने लिया है, इन बातों के विरोध में भी मैं मैं होऊंगा मैं परमेश्वर के विरोध में होऊंगा, मैं परमेश्वर कि हर बात के विरोध में होऊंगा (यदि मैं लेता हूं) मैं अपने विचार और बुलाहट में गलत हूं यह बातें परमेश्वर के विरोध में होगी। परंतु मैं मुकाबले पर खड़ा हूं, क्योंकि मैं यह यहां वचन में देखता हूं, यह परमेश्वर का वचन है तब मैं इसे प्रमाणित होते हुए देखता हूं, सिद्ध हो गया कि यहां सत्य है, यही अनुवाद है जो परमेश्वर ने अपने वचन को दिया है। परमेश्वर का अपना अनुवाद उसके वचन का, कि उसने कैसे इसे प्रमाणित किया है, और इसे सत्य बनाता है।

89 ये फरीसी क्यों अंधे थे? किसने उनको इतना अंधा किया? क्योंकि वे प्रकाशन या वचन के प्रमाण को स्वीकार नहीं करेंगे।

90 और यही कारण है कि आज कलीसियाये अंधी है, कारण कि वे प्रकाशन को जो प्रमाणित हो रहा है स्वीकार नहीं करेगी। यदि वचन ऐसा कहता है, और यह प्रगट हुआ, और फिर यह सिद्ध हुआ, फिर भी वे इसे स्वीकार नहीं करेंगे।

91 यही कारण है कि ये यहूदी, यहूदी अब भी इस दिन में, नहीं करेंगे। आप उनसे मसीह के विषय में बातें नहीं कर सकते, क्योंकि पर्दा अब भी उनके मुख पर पड़ा है, अंधा कर दिया।

92 और कलीसिया, आप इन से पुर्ण सुसमाचार और परमेश्वर की सामर्थ के विषय में बातें नहीं कर सकते, क्योंकि इस संसार के ईश्वर ने उनकी आंखों को परमेश्वर के सत्य से अंधा कर रखा है, और वे अपनी समझ का सहारा लेते हैं। जब स्त्रियां कलीसिया में आती है और अपने बाल कटवाती है, क्योंकि उनका पास्टर कहता है, "ओह यह ठीक है। वह मनुष्य पागल है।" परंतु बाइबल ने कहा, उसने यह गलत किया, जब वह यह करती है, परमेश्वर ने उसकी प्रार्थना का उत्तर देने से मना कर दिया। और उनमें से कुछ स्त्रियों ने दूसरा अपमान का कार्य किया और प्रचारक बनने का यत्न किया, तब उसने दुगनी चीजें की बाइबल ने कहा, वह, यह नहीं करना चाहिए, इसमें से कुछ नहीं। परंतु कलीसिया की संस्था इसे स्वीकार करेंगी, और उसे बाहर भेजने के लिए अभिषेक करेगी। वे अपनी समझ का सहारा ले रहे हैं!

93 परमेश्वर के एकवचन को स्थान से हटाना या गलत अर्थ लगाना, या इसे स्वीकार ना करना सारे क्रम को तोड़ देता है। "मनुष्य केवल रोटी से ही नहीं जीवित रहता है, परंतु हर वचन, जो परमेश्वर के मुख से निकलता है।"

94 यह क्यों है, स्त्रियाँ, आप मुझे इन बातों के विरोध में प्रचार करते सुनते हैं, छोटे कपड़े पहनना, और पेंट, और—और बाल बनाती, बाल कटाती और सारी प्रकार की बातें, और तब हर वर्ष जब मैं वापस आता हूं, आप अब भी उसी दशा में बैठे हैं? क्योंकि आप अपनी समझ का सहारा ले रहे हैं, बजाये प्रभु के वचन का।

95 और पास्टर लोग, क्यों नहीं आप अपनी कलीसिया की सफाई करते हैं? क्योंकि आप अपने नामधारी के मतसार पर है बजाएं प्रभु के वचन के। ठीक है। अपनी समझ का सहारा ना लेना। भई, अपनी समझ से ना सीखे, परंतु प्रभु के वचन पर।

96 वे इसे स्वीकार नहीं करेंगे, क्योंकि वे समर्थन को स्वीकार नहीं करेंगे। यीशु एक—एक सुसमाचार के साथ आया और ठीक वैसे ही जैसा उसने कहा कि वह आयेगा। यहां तक कि बहुत सी बार...

97 यहुन्ना थोड़ा भ्रमित हो गया था, जब उसे कैद में डाल दिया और वह—वह वहां गया... यहां तक कि बहुत सी बार... यहुन्ना थोड़ा सा भ्रमित हो गया था जब उसे कैद में डाल दिया गया और वह वहां गया और उसने यह प्रचार किया था, कि "मसीह आ रहा है, जिसका सूप उसी के हाथ में है; वह अपनी खलियान को अच्छी तरह साफ करेगा और भूसी को ना बुझने वाली आग में जलायेगा और गेहूं को खत्ते में जमा करेगा।" परमेश्वर का आत्मा उसमे एक वेग घाटी के फटवारे के समय निकलता है। और तब जब उसने यीशु को दृश्य पर आते देखा, छोटा नम्र, एक छोटा सा व्यक्ति, आसपास धकियाया जा रहा है अपने जीवन के लिए इधर उधर दौड़ रहा है। क्यों वे...

98 यहुन्ना यह नहीं समझ सका, इसलिए उसने अपने कुछ चेले यीशु से यह पता करने के लिए भेजें, यदि वह वास्तव में वही था। यीशु के लिए क्या ही अपमान है! यीशु के लिए क्या ही अपमान है परमेश्वर के वचन के साथ भविष्यवक्ता के जल में खड़े होने के बाद कहा, "मैं उसे जानता हूं, क्योंकि मैंने पवित्र आत्मा को पंडूकी के समान, परमेश्वर को स्वर्ग से एक पंडुकी के समान, उतरते देखा और उसमे जा रहा है, और मैंने स्वर्ग से एक आवाज सुनी, कह रही थी 'यह मेरा प्रिय पुत्र है,'" और तब यहुन्ना कहता है, "जाओ, और उससे पूछो, यदि वह वास्तव में वही, या—या—या, 'हम किसी और की राह देखे?'"

99 और यीशु ने उसके पास इस पर कभी कोई पुस्तक नहीं भेजी कि कैद में कैसा व्यवहार करें, या उसे कौन सी कलीसिया की सदस्यता लेनी चाहिए। परंतु उसने कहा, "थोड़ी देर यही आस पास रुको और देखो क्या घटित होता है, और तब जाकर यहुन्ना को दिखाओ उन चीजों को जो तुमने यहां होते हुए देखी," क्योंकि उसके कार्य जिन्होंने उसे प्रमाणित किया कि यह मसीह है, परमेश्वर का पुत्र। "धन्य है वह जो मेरे कारण ठोकर ना खाये।"

100 बहुत सो ने ठोकर खाई। बहुतों ने बड़ी सरलता के साथ परमेश्वर के वचन से ठोकर खाई। यह—यह विरोध में है वे अपनी समझ का सहारा लेना चाहते हैं। वे प्रभु के वचन को नहीं लेना चाहते। और उन्हें इसी प्रकार से चलना है कि—कि जैसा उन्हें सिखाया गया कि चलो, और जिस प्रकार वे सिखाए गए, जिधर उनकी कलीसिया का झुकाव है। कोई मतलब नहीं,

कि परमेश्वर ने प्रतिज्ञा की है कि वहां करेगा, वह वर्षा करेगा, सुबह को वह वर्षा करेगा और कलीसिया ने कहा, "यह निर्थक बात है," वे कलीसिया का विश्वास करेंगे बजाए परमेश्वर के। क्योंकि क्यों? वे कलीसिया से जन्मे है।

101 परंतु एक मनुष्य जो परमेश्वर से जन्मा है, वह परमेश्वर के बीज से है। और परमेश्वर का बीज परमेश्वर का वचन है, और केवल उससे जीता है। यह उसका जीवन है।

102 अब, वे अपनी ही समझ का सहारा ले रहे हैं, परंतु वे परमेश्वर के वचन पर नहीं आना चाहते। वे अधिक अच्छा जानते हैं। यह वचन में था। उन्होंने इसे "प्रेत आत्मा," कहा वह मनुष्य। क्योंकि क्यों? उनके याजक ने कहा, "कोई भी इस मनुष्य का प्रचार सुनने को जाता है, वे उसे आराधनालय से बाहर कर देंगे।"

103 जब एक मनुष्य जो एक समय अंधा था चंगा कर दिया गया, यीशु के द्वारा। यहां तक कि उसके माता–पिता बहुत ही आनंदित है उसकी चंगाई से, परंतु वे इसे स्वीकार करने से डरते थे कि वह यीशु था, जिसने यह किया। जी हां।

उसने कहा—उसने कहा, "क्या यह तुम्हारा पुत्र है? "

कहा, "हां।"

कहा, "किसने इसे चंगा किया? "

104 कहा, "मैं—मैं नहीं जानता।" कहा, "वह सयाना है, उसी से पूछ लो। वह खुद से बात कर सकता है।"

105 क्योंकि यह कह दिया गया था, कि, "कोई मनुष्य जो कि उस पर झुकेगा, मसीह की समझ पर," बजाये उनकी समझ के, "वह उनकी कलीसिया से निकाला जाएगा।" अब क्या यह पैसा ही नहीं है? मैं आपसे स्पष्ट प्रश्न करता हूं। [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] यह ठीक बात है। इसने वही चीज निकाली। कोई मतलब नहीं परमेश्वर क्या करता है, यह उनकी समझ के अनुसार होना चाहिए, ना कि परमेश्वर का क्या समर्थन है कि यह सत्य है। अब, मनुष्य के पास यदापि उत्तर था।

उसने कहा, "तुझे किसने चंगा किया? "

उसने कहा, "वह जो यीशु नासरी कहलाता है।"

कहा, "वह एक पापी है। हम नहीं जानते कि वह कहां से आया।"

106 उसने कहा, "यह विचित्र बात है। आप जो इस समय के अगुवे कहलाते हो। और यहां एक मनुष्य है जिसने मेरी आंखें खोल दी, संसार के आरंभ से ऐसा कभी नहीं हुआ, और फिर भी तुम कहते हो, कि तुम नहीं जानते कि वह कहां से आया।" ओह, प्रभु!

107 क्यों? वे अपनी समझ का सहारा ले रहे थे, बजाये प्रभु के वचन के। क्योंकि यशायाह ने कहा, "अंधे देखेंगे, लंगड़े हिरनी के सामान चौकड़ी भरेंगे, रेगिस्तान आनंद से चिल्लायेगे।" परंतु आप देखिए, वे अपनी समझ का सहारा ले रहे थे, ना कि वचन का; उनकी अपनी व्यवस्था जो उन्होंने बना ली थी।

108 अब ध्यान दें, आज की कलीसियाओ ने वही चीज की है। उन्होंने एक उच्च कोटि की समझ की दौड़ तैयार कर ली है, वे नहीं चाहते कि कोई इसके साथ मूर्ख बने, कोई भी अंदर ना आए, जब तक की वह इस झुंड का ना हो।

109 मुझे ना बताएं कि; मैं टयूसान एरीजोना में रहता हूं। मैं यहां तीन वर्ष पहले आया हूं, मैं कलीसिया के संघो से मिला हूं और मैंने कहा, "मैं यहां कोई कलीसिया आरंभ करने नहीं आया हूं मैं आपके साथ संगति करने आया हूं, मैं आपकी सहायता के लिए आया हूं, मेरा एक उद्देश्य है, सुसमाचार फैलाना, जो कुछ भी मैं करता हूं।"

उन्होंने कहा, "क्या आप यहां कलीसिया आरंभ करने आए हैं? "

110 मैंने कहा, "नहीं, श्रीमान। मैं यहां आया हूं... यदि मैं एक कलीसिया चाहता हूं, मेरे पास वहां एक इन्डियाना में है।" मैंने कहा, "मैं यहां आया हूं; क्योंकि यहां परमेश्वर ने मेरी अगुवाई की है। मैं यहां कुछ समय के लिए रुकने जा रहा हूं, जब तक वह मेरी अगुवाई ना करें, परंतु मैं यहां कभी भी कलीसिया तैयार करने नहीं आया हूं। मैं आप भाइयों की सहायता के लिए आया हूं।"

111 यह तीन वर्ष पहले, मुझे एक स्थान से निमंत्रण नहीं मिला। क्यों? क्योंकि इसके बाद वहां एक साथ जमा हुए और कहा, यदि कोई मुझे अपने प्रचार मंच पर बुलाएगा, वे उस प्रचारक को निकाल देंगे। समझे? क्यों? अपनी समझ का सहारा ले रहे हैं! निश्चय ही, यह ऐसे ही है, उन्होंने अपनी एक सर्वोच्च समझ तैयार कर ली है।

112 जब तक आप अपना नाम उनकी पुस्तक में नहीं लिखावायेगे आप... आप नष्ट है एक सेवक ने मुझे यह बताया। "ओह," आप कहते हैं, "वह कोई नकली था।" यह एक पेंटीकोस्टल था।

113 जैक मूर और मैंने उसे वहां बैठकर सुना डलास टेक्सास में। उसने कहा वह था, "एक व्यक्ति को पुस्तक में से हटाने जा रहे थे।"

मैंने कहा, "क्यों? "

"क्योंकि उसने आपके साथ संगति की थी।"

मैंने कहा, "ठीक इसे हटा दो।"

उसने कहा, "ठीक, तो फिर वह नष्ट है।"

मैंने कहा, "नष्ट? "

"क्यों" उसने कहा "यदि उसका नाम उसमें नहीं है, "

114 मैंने कहा, "आपका अर्थ है, आप जिला प्रेसपिटेर है और आपका यह विश्वास है? "

उसने कहा, "यह सच है।"

115 मैंने कहा, "श्रीमान फोन पर से हट जाए, आप, आप... यह परमेश्वर का अनुग्रह नहीं है, ये—ये, देखिए।"

116 "क्योंकि एक ही आत्मा के द्वारा हमने एक ही देह में बपतिस्मा लिया, और इस देह के सदस्य हो गए।" चिंता नहीं कौन सा छापा आपके ऊपर लगा है, इसका इससे कुछ लेना–देना नहीं। आप जन्म से एक पक्के मसीही है। केवल यही एक मात्र है, आपके लिए यही मार्ग हो सकता है; ना कि सदस्य होने के द्वारा, ना कि मतसारों के द्वारा, *इस* उत्तेजना के द्वारा, या *इसे* रटने के द्वारा या कोई दूसरी चीज, ना ही शिक्षा या धर्म विज्ञान जब आपने फिर से जन्म लिया। आप मसीही है जब आपने फिर से जन्म लिया, आप मसीही है, और आप नया जन्म नहीं पा सकते, जब तक कि आप नया जन्म पाने के लिए चुने नहीं गये। "क्योंकि कोई मनुष्य मेरे पास नहीं आ सकता, जब तक मेरा पिता उसे खींच ना ले, और वह सब जो मेरे पिता ने मुझे दिया, मेरे पास आयेंगे।" आमीन। "मैं उसे अंतिम दिन में जिला उठाऊंगा।"

117 ये महान कहलाने वाले बाइबल विद्यालय जो हमारे पास है, वे कहेंगे, वे अपनी शिक्षा का सहारा लेते हैं। ओह, प्रभु। वे, कोई मतलब नहीं वचन

क्या कहता है, वे इसकी व्याख्या कर सकते हैं, ओह, वे अपने में, अपने से इसका विश्वास कर सकते हैं और उनका अपने ही प्रकार का विश्वास, कि, "आश्चर्यकर्मों के दिन बीत गए, भविष्यवक्ता जैसी कोई चीज नहीं होती, भविष्यवक्ता, चेले चंगाई का वरदान जैसी कोई चीज नहीं होती और आदि–आदि। यह सब बाइबल के दिनों में ही समाप्त हो गए।" वे स्वयं से इसका विश्वास कर सकते हैं।

118 आप जानते है, कि बाइबल ने कहा, "आप एक झूठ का विश्वास कर सकते है और इसके द्वारा नष्ट हो सकते हैं।" देखिए, यह ठीक सत्य है, वे बना लेते हैं, कोई मतलब नहीं परमेश्वर का वचन क्या कहता है, वे अपनी ही समझ का सहारा लेते हैं, वे इसी पर झुकते हैं, वे इसका विश्वास करते हैं, वे सोचते हैं, कि यहां सत्य है। आप बार–बार झूठ का विश्वास करते रह सकते हैं, जब तक कि यह आपके लिए सत्य हो जाए। यह ठीक बात है।

119 परंतु हम कैसे जाने कि यह सत्य है कि नहीं? परमेश्वर इसे सिद्ध करता है यह सत्य है, क्योंकि यह उसका वचन है और वह इसका समर्थन करता है। वह इसका अनुवाद स्वयं करता है।

120 वह इसे पाने के लिए, कैसे करते हैं? वे इसे अपनी सभ्यता से करते हैं, अपनी शिक्षा और अपनी डॉक्टर की डिग्री की, समझ से और आदि–आदि कि वे किसी विशेष धर्म विद्यालय से आए हैं और यह बातें सीखी है।

121 परंतु मित्रों देखिए, सुनिए। पूरी बाइबल में हमसे कहीं नहीं कहा गया कि समझे। हमसे यह समझने के लिए नहीं कहा गया। हमसे यह विश्वास करने के लिए कहा गया। किसके द्वारा विश्वास करें? विश्वास के द्वारा। यदि आप इसे समझते हैं तो यह विश्वास शून्य हो गया। आप इसे समझ नहीं सकते, परंतु आप इसका विश्वास करते हैं, जो भी हो यदि मैं परमेश्वर को समझ सकता होता, मैं परमेश्वर का विश्वास नहीं करता। मैं परमेश्वर को नहीं समझता। मैं परमेश्वर के वचन को समझ नहीं सकता, परंतु मैं इसे स्वीकार करता हूं। मैं इसका विश्वास करता हूं। मुझसे इसे समझने को नहीं कहा गया।

122 मैं किसी धर्म विद्यालय में नहीं गया और ये सारी महान समझ जो मनुष्य कि ज्ञान की है, इस पर। मैं बस इतना जानता हूं कि बाइबल यह कहती है, "यीशु मसीह, कल आज और सर्वदा एक सा है," और मैं इसी

श्रेणी में उसे ढूंढता हूं। मैं जानता हूं उसने प्रतिज्ञा की है कि वह इस दिन में क्या करेगा, यह करने के लिए मैं उसकी प्रतीक्षा करता हूं और वह यह करता है। यह ठीक बात है। उसने अनुग्रह की प्रतिज्ञा दी है, मैं इसकी प्रतीक्षा करता हूं, और मैंने इसे पाया है। उसने चंगाई की प्रतिज्ञा दी है, मैं इसका विश्वास करता हूं और मैं इसे स्वीकार करता हूं, और मैंने इसे प्राप्त किया है।

123 अब मैं आपका अधिक समय नहीं लेना चाहता हूं, परंतु मैं आपसे एक बात पूछना चाहता हूं यदि आप एक मिनट मेरी सहन करें, इन लोगों पर विचार करें, जिन्होंने अपनी समझ का सहारा नहीं लिया; बाइबल के कुछ चरित्र थोड़े से, जिन्होंने अपनी समझ का सहारा नहीं लिया, चाहे उनके युग में जो भी समझ रही थी।

124 उदाहरण के लिए हम नूह को ले। नूह महान वैज्ञानिक खोज के दिनों में रहा। नूह के दिनों में, संभवता उन्होंने पिरामिड बनाएं, जिसे वे फिर नहीं बना सकते अब हमारे पास यह करने के लिए कुछ नहीं है, उन बड़ी चट्टानों को वहां उठा कर रहने रखने के लिए कुछ नहीं है। वे आज यह नहीं कर सकते। उन दिनों में उनके पास किसी प्रकार का रसायन था, वे उसे रंग में डाल देते और कपड़ा आज तक स्वाभाविक दिखाई पड़ता है। उनके पास नसों में भरने वाला द्रव्य था कि वे मम्मी बना सके; आज हम एक नहीं बना सके, यदि हमें बनाना पड़े। हम... बहुत सारी कलाये जो हम खो चुके, वह दिन जिसमें वह जीया, उस तेज वैज्ञानिक युग में।

125 यीशु ने इसका उल्लेख किया, ठीक इसी प्रकार का युग फिर वापस आएगा, उसके आने से पहले, "क्योंकि जैसा नूह के दिनों में था।" अब आप इसका विश्वास करेंगे, क्या आप नहीं करेंगे? [सभा "आमीन" कहती है।—सम्पा।] क्या आप विश्वास करते हैं कि यीशु ने यह कहा है? ["आमीन।"] क्या आप विश्वास करते हैं कि हम उस युग में वापस आ गए हैं? ["आमीन।"] अब ये लुका की पुस्तक में है 17 वा अध्याय और 21 वा पद।

126 अब लुका 17:30 में, उसने कहा, "और जैसा कि यह लूत के दिनों में था, जब प्रभु का दूत... "

127 अब, वह भी इसी बाइबल को पढ़ रहा था, जो हम। और जब वह... वापस जा कर पाते हैं, नूह की वर्षा से पहले किस प्रकार के दिन थे। वापस

जाकर ढूंढो इसके पहले कि संसार नष्ट होता किस प्रकार का दिन था, लूत के दिनों में। ढूंढो कि यह क्या था, और आप देखिए यीशु किस विषय में बातें कर रहा था।

128 "नूह के दिनों में, वे खा, पी, विवाह कर रहे थे, और विवाह में देना; जिस दिन तक नूह जहाज में गया; वे नहीं जान पाए और बाढ़ आ गई, और उन सब को बहा ले गई।"

129 लूत के दिनों में, इसके पहले कि संसार... अन्य जाति के संसार को जला दिया, सदोम को, वहां समलैंगिक थे, संसार में सारी चीजें मिलावटी। एक महान... यह आधुनिक लॉस एंजेलस था, केवल एक आधुनिक लॉस एंजेलस नहीं, परंतु एक संयुक्त राज्य, ना कि केवल संयुक्त राज्य; परंतु एक संसार। निश्चय ही यह विकृति थी! मनुष्य ने जीवन का मूल स्त्रोत खो दिया और उनकी स्वाभाविक समझे, आम समझ की प्रेत आत्मा के द्वारा विकृत हो गई, इसने इनके प्राकृतिक जीवन का समस्त मार्ग बदल दिया और वे प्रेत आत्माओं से ग्रसित है। यदि यह नूह के दिनो का चित्र नहीं है, मैं यह नहीं जानता और लूत के दिनों में, मेरा अर्थ नूह के दिनों में भी खाना, पीना, विवाह, विवाह में देना, तलाक की अदालतें भर रही है और सारी बातें, जैसा कि यहां था।

130 परंतु, याद रखें इसके पहले कि संसार नाश हुआ था, अब्राहम को पृथ्वी के घरातल पर भेजा गया और उसे एक पुत्र की प्रतिज्ञा दी गई थी और अब्राहम परमेश्वर से बहुत सी स्थितियों में मिला जैसे कि कलीसिया प्रतीक, में परमेश्वर से मिलती। परंतु नाश के थोड़ा सा पहले और प्रतिज्ञा का पुत्र वापस लौटा या आया बल्कि पुत्र की प्रतिज्ञा की गई, वह आया परमेश्वर नीचे आया और मनुष्य कि देह में प्रगट हुआ, एक मनुष्य में तीन मनुष्य। और वे लूत के पास आए; पहले अब्राहम के पास आए, और वे बैठ गए। और अब्राहम का अपना नाम था, अब्राम से बदलकर अब्राहम किया; सारे का सारह।

131 और यह मनुष्य, बोलने वाला, एलोहिम, जब वह उससे बात करने को नीचे उतर कर आया, उसने क्या कहा? उसने कहा, "तेरी पत्नी साराह कहां है? "

कहा, "वह तेरे पीछे तम्बू में है"

132 कहा, "मैं जीवन के समय के अनुसार तेरे पास आऊंगा।" और वह तम्बू में उसके पीछे हंसी। और उसने कहा, "साराह तू क्यों हंसी? " समझे? अब वह साराह का जीवन वही ले लेता, उसके वचन पर हंसने के लिए; परंतु वह यह नहीं कर सका, क्योंकि साराह अब्राहम का भाग थी।

133 और आज, यीशु ने लूका 17 अध्याय और 30 वे पद में कहा, "जैसा कि यह लूत के दिनों में था, ऐसा ही अंत के समय में होगा, जब मनुष्य का पुत्र... "

134 अब स्मरण रखें, "मनुष्य का पुत्र" एक *भविष्यवक्ता* है। यहोवा ने यहेजकेल को "मनुष्य का पुत्र" कह कर पुकारा। यीशु तीन नामों में आया, मनुष्य का पुत्र, दाऊद का पुत्र, परमेश्वर का पुत्र। उसने स्वयं को "मनुष्य का पुत्र" कहा ताकी लोग समझ सके, क्योंकि वह वह भविष्यवक्ता था जिसे प्रभु परमेश्वर उठायेगे।

135 अब ध्यान दें, तब उसने क्या प्रतिज्ञा दी? कि मनुष्य का पुत्र अपने आप को फिर से उस समय से पहले प्रगट करेगा, आग से पहले और यह अंतिम चिन्ह था जो अब्राहम ने प्रतिज्ञा के पुत्र के आने से पहले देखा; और वह एक युवा पुरुष में बदल गया और वह युवा स्त्री में। पहले... अब ध्यान दें, वचन विशेषकर कहता है कि अब हमें इसकी प्रतीक्षा करनी चाहिए।

136 और तब यदि हम देखते हैं कि संसार विकृत रूप में है, और चीजें जो आज इसमें है, जो इस मार्ग में चल रही है, तब हम कैसे कह सकते हैं कि यहां ठीक है, और नहीं कहते हैं कि दूसरा ठीक है? क्योंकि, कोई, आप उनकी समझ पर झुक रहे हैं ना कि जीवन के राजकुमार की समझ पर, जो कि वह व्यक्ति था, जो वहां उनके साथ सदोम के फाटक पर था। अब हम इस बात पर ध्यान देते हैं, हम अपनी समझ का सहारा नहीं लेते।

137 नूह ने अपनी समझ का सहारा नहीं लिया। यह एक महान वैज्ञानिक युग था, परंतु उसने अपने उस दिन कि समझ का सहारा नहीं लिया। परंतु वह परमेश्वर कि प्रतिज्ञा पर झुका रहा और परमेश्वर कि सामर्थ के द्वारा चला और अपने परिवार को बचाने के लिए नाव तैयार की। जब कि यह आम समझ के बिल्कुल विरुद्ध था; वहां ऊपर पानी नहीं था, कभी भी नहीं था परंतु वह जान गया, यदि परमेश्वर ने कहा कि यह होगा, तो यह होगा। इसलिए उसने अपनी समझ का सहारा नहीं लिया, परंतु विश्वास के द्वारा

वह परमेश्वर के वचन की प्रतिज्ञा के अनुसार चला। आत्मा ने उसे चलाया और उसने यह किया।

138 अब्राहम, वह मनुष्य के जीवन के विषय में अपनी समझ पर नहीं टिका। उसने अपने पत्नी से लगभग सत्रह वर्ष की आयु में विवाह किया था। यहां अब वह पचतर वर्ष का था और वह पैसठ वर्ष की थी दस वर्ष छोटी। परंतु अब्राहम ने अपनी समझ का सहारा नहीं लिया, जब परमेश्वर ने यह कहा, कि वह उसे साराह के द्वारा एक पुत्र देगा, परंतु उसने किसी भी चीज को किसी भी वैज्ञानिक प्रमाण को जो परमेश्वर के वचन के विरुद्ध था, यह समझा कि जैसे वह इस प्रकार से नहीं था। और उसने परमेश्वर को महिमा दी, मजबूत होकर परमेश्वर की महिमा करता रहा। यहां तक कि उसने अपनी शारीरिक दशा पर विचार नहीं किया या सारा की मरी सी देह पर या—या उसकी देह। उसने किसी भी चीज का विचार नहीं किया, परंतु परमेश्वर की प्रतिज्ञा पर टिका रहा, उसने अपनी समझ का सहारा नहीं लिया। उसने तर्कों का सहारा नहीं लिया।

139 "क्यों," आप कहते हैं, "भाई ब्रन्हम यही कारण है कि परमेश्वर बीमार को चंगा नहीं करता, हमारे पास बहुत सारे अच्छे डॉक्टर लोग हैं।"

140 बाइबल ने कहा, "हम तर्कों को छोड़ देते हैं।" हम तर्क नहीं करते, विश्वास तर्क–वितर्क नहीं करता। विश्वास, विश्वास करता और स्वीकार करता है। ध्यान दें।

141 परंतु उसने और अविश्वास के स्थान पर विश्वास किया; और जो नहीं था उन चीजों को माना, जैसे कि मानो वे थी, जो कि किसी भी चीज के तर्क के बिल्कुल विरुद्ध थी। परंतु उसने तर्क नहीं किया। उसने बस विश्वास किया। कोई ऐसा तर्क नहीं था कि सिद्ध करें कि बालक उत्पन्न हो सके सकता था उस स्त्री को रजोनिवृत्ति के बीस वर्ष बीत चुके थे, और उसका शरीर मरे हुए के समान था। और जब वह सौ वर्ष का हुआ था पच्चीस वर्षों बाद, वह अब भी परमेश्वर की स्तुति कर रहा था, किसी भी प्रकार के समझ के विरुद्ध। परंतु विश्वास के द्वारा उसे मालूम था कि परमेश्वर अपने वचन के बनाए रखेगा। उसने अपनी समझ का सहारा नहीं लिया।

142 क्या होता यदि मूसा अपनी समझ का सहारा लेता, जब परमेश्वर ने उसे बता दिया था कि वहां फिरौन को लेने वाला या—या इस्त्राइल के बालको को फिरौन के हाथों से? क्या होता, यदि वह अपनी समझ का

सहारा लेता, जब कि वह वहां अग्निस्तंभ के द्वारा था, जब परमेश्वर ने कहा, "जा और मैं तेरे साथ होऊंगा"? क्या होता यदि वह अपनी समझ का सहारा लेता, जब वह उन्हें लाल सागर पर ले आया, और वहां वे जल के पास थे और यहां परमेश्वर ने उनसे प्रतिज्ञा के देश कि प्रतिज्ञा की थी? क्या होता, यदि वह अपनी समझ का सहारा लेता, "कैसे मैं इसके पास जाने वाला हूं? हमारे पास पुल बनाने का समय नहीं है, यहां सेना ठीक हमारे पीछे आ रही है, यहां पहाड़ दोनों ओर है, यहां जल हमारे सामने है, लाल सागर"?

143 अब, यदि वह अपनी समझ का सहारा लेता, वह अपने हाथ उठा कर भाग जाता और फिरौन के पैरों पर गिर पड़ता, कहता, "फिरौन मुझे क्षमा कर देना, मैंने गलत किया।"

144 परंतु उसने अपनी समझ का सहारा नहीं लिया, परंतु उसने प्रार्थना की, और परमेश्वर ने उसे बताया कि अपना कदम आगे बढ़ाये और सागर खुल गया, जो कि सारे तर्कों के विरुद्ध था। परंतु उसने अपनी समझ का सहारा नहीं लिया।

145 क्या हो यदि यहोशु, जब वह वहां दूसरे दस नामधारियों के साथ गया और वहां चला गया और परमेश्वर के उस प्रतिज्ञा के देश को देखा, और उनके साथ वापस आया होगा और बोला, "अब एक मिनट रुको। यह सच है। हम टिड्डीयों के समान दिखाई पड़ते हैं, वे बड़े–बड़े हैं हम उन्हें कभी कैसे ले सकते हैं? हमारे पास तलवारें भी नहीं है; बस हमने जो उठा लिया। हम कैसे कभी वहां जा सकते हैं और उस देश को ले सकते हैं? क्यों यह बिल्कुल असंभव है, वे हम पर भारी है, पच्चास पुरुष एक पर, वे प्रशिक्षित सिपाही है और हम कुछ नहीं, परंतु केवल चरवाहों का झुंड और मिस्त्र से गारा बनाने वाले निकले हुए। कैसे? हमारे पास तो ढाल तक नहीं और चीजें, हम कैसे कभी इसे ले पायेंगे? "

146 क्यों, समझ इस बात को निश्चय ही प्रमाणित करती है कि वे इसे नहीं कर सकते कोई भी सैनिक जैसा वह था, या मूसा उनकी समझ का सहारा नहीं ले सकता था। परंतु उनकी समझ, वे उस पर नहीं गए। परंतु उन्हें मालूम था कि परमेश्वर ने कहा है, "मैंने वह देश तुम्हें दिया है, जाओ और उसे ले लो!"

147 अपनी समझ का सहारा ना ले। यदि आज तुम अपनी समझ का सहारा लेते हो, जब आप बीमार हैं, हो सकता है पहिये वाली कुर्सी में बैठे हुए कैंसर से मर रहे हो, ह्रदय रोग और डॉक्टर कह रहे है कि तुम मरने जा रहे हो, यदि आप उस समझ पर जाते हैं, आप मर जायेंगे। परंतु उस समझ का सहारा ना लेना। निश्चय ही नही।

148 उस येरीहो की दीवार के विषय में क्या है, जो कि वे कहते हैं वे उस पर रथो की दौड़ कर सकते थे, वे बड़ी–बड़ी दीवारें? परमेश्वर ने कहा, "वहां जाकर बहुत बार उसके चारों तरफ चक्कर लगाना और तुरही बजाना और तुम सब मिलकर चिल्लाना, और दीवार गिरने जा रही है।" भई, यह तो पूरी रीती से एक मूर्खता होगी, उस सांसारिक बुद्धि के लिए, परंतु यहोशू को मालूम था कि वह दीवारें कितनी मोटी थी, क्योंकि उसने बहुत सारी दीवारें बनवाई थी, वहां मिस्र में। उसे उस सीमेंट के विषय में मालूम था, जो उनमें था कि वह कितनी मजबूत है कि उन पर रथो की दौड़ करवाते थे, और उस पर घर भी बने हुए थे। परंतु उसने अपनी समझ का सहारा नहीं लिया। उसने विश्वास किया, जो परमेश्वर ने कहा है सत्य था, और उसके वचन का पालन किया, और दीवार गिर पड़ी। अपनी समझ का सहारा नहीं ले रहा था।

149 क्या हो यदि वह उस युद्ध को लड़ रहा था, और जैसा कि मैं प्रचार कर रहा था, रविवार को, और तब सूर्य नीचे को जा रहा था, शत्रु मार्ग पर आगे बढ़ रहा था उस रात्रि वे एक साथ मिल जायेंगे और वे एक और बल के साथ आएंगे और उसके अनेको पुरुषों को मार डालेंगे। अब क्या हो यदि उसने कहा होता, "मुझे और थोड़ा दिन के उजियाले की आवश्यकता है, मुझे और सूर्य का उजियाला चाहिए। ठीक है, अब एक मिनट प्रतीक्षा करें, परमेश्वर ने यह विधि तय कर रखी है और सूर्य घूम रहा है, इसलिए पृथ्वी घूम रही है अब आइए देखते हैं, यदि मैं कहूंगा कि सूरज रुक जाए... हो सकता है अब पृथ्वी रुक जाए तो यह अपनी आकर्षण शक्ति को खो देगी, मैं गिर जाऊंगा"?

150 उसने अपनी समझ को नहीं सुना। केवल एक बात उसने कही थी, "सूरज, वहीं रुक जा; और चांद तू वही ठहर जा तू है," और इसने उसकी आज्ञा का पालन किया। उसने अपनी समझ का सहारा नहीं लिया। परंतु

उसने परमेश्वर की प्रतिज्ञा का सहारा लिया, "मैंने तुम्हें वह देश दिया है; जाओ और ले लो।"

151 उसने आपको पवित्र आत्मा की प्रतिज्ञा दी है। आप इसे इस बेदारी में ले सकते हैं। आप अब इसे ले सकते हैं।

152 मत झुकिये, "आप जानते हैं, मैं थक गया हूं, मैं आपको बताता हूं, मैं शाम को बहुत खाना खाता हूं, मुझे—मुझे—मुझे अच्छा नहीं लगता कि जॉन मुझे यह करते देखें।" ओह, भलाई के वास्ते! आप अपनी समझ का सहारा ले रहे हैं।

153 "यह प्रतिज्ञा तुम से और तुम्हारी संतानों की संतानों से उनसे जो दूर है, जितनो को हमारा प्रभु परमेश्वर बुलाएगा।"

154 "डॉक्टरों ने कहा मैं मरने जा रहा हूं उसने मेरी जांच की और कहा मुझे यह कैंसर है, मुझे यह है या यह जो भी था, मुझे मरना था।" उस समझ का सहारा ना ले। जो परमेश्वर तेरा प्रभु परमेश्वर जो तेरे सारे रोगों को चंगा करता है, इसलिए उस समझ का सहारा ना लें, किसी भी मनुष्य की समझ परमेश्वर की समझ पर नहीं टिकती।

155 शिमशोन का क्या है वहां बाहर मैदान में, जब फिलिस्तीनी हजारों लोग उसकी ओर भागे? और वहां वह खड़ा था एक छोटा सा घुंघराले बालों वाला, लगभग *इतना* लंबा। उसके पास नहीं; भई, वह तलवार बाज नहीं था, क्योंकि उसे पता नहीं था, उसके पास कोई प्रशिक्षण नहीं, सैनिक प्रशिक्षण वह तो बस एक छोटा घुंघराले बालों वाला लड़का, जैसे मां के लाल की सात लटे लटक रही हो, वहां पर खड़ा हुआ है, यहां हजारों पलिश्तींनी। ठीक है, उसके हाथ में कुछ नहीं था उसने नीचे देखा, और उसे एक पुरानी खच्चर के जबड़े की हड्डी मिल गई, और उसने उसे उठा लिया।

156 और कहा, "अब हम देखते हैं, मैं इस से बहुत कुछ नहीं कर पाऊंगा, क्योंकि उनके सिर पर टोप है... वे फिलिस्तीनी, सारे सिपाही, उनके पास भाले थे उनके पास कवच के कपड़े थे। और उनके टोप, एक लगभग 15 पाउंड का था, बड़े–बड़े पुरुष, वहां पर। भई, यदि मैं कभी इस पुरानी भुरभुरी हड्डी से जो खच्चर के जबड़े की है उनके टोपो पर मारूंगा, क्यों यह तो टुकड़े–टुकड़े हो जाएगी। यही बात है"?

157 उसने अपनी समझ का सहारा नहीं लिया, उसने बस वही लिया, जो उसके हाथ में था, और पलिश्तीयों को पीटना शुरू कर दिया। और जब वह हजारों को पीट चुका, उसके हाथ में अब भी जबड़े की हड्डी थी। आमीन।

158 मैं चिंता नहीं करता कि मनुष्य का धर्म विज्ञान क्या कहता है। उस पर ना टिके, परमेश्वर के वचन का सहारा ले, "यीशु मसीह, कल, आज और सर्वदा एक सा है।" निश्चय ही, उसने इसका विश्वास किया।

159 क्या होता यदि दाऊद ने शत्रु की... शाऊल के धर्म विज्ञान की सुनी होती? वहां गोलीयथ अपने घमंड के साथ खड़ा हुआ, और सारे, हर कोई डरा हुआ शाऊल का सिर और कंधा सारी सेना से ऊंचा था। गोलियत ने कहा, "कोई बाहर आए और मुझ से लडे इसकी कोई आवश्यकता नहीं कि हम सब मरे। यदि मैं तुम्हें मार डालू तो तुम सब हमारी सेवा करना। और यदि तुम मुझे मार डालो क्यों, हम तुम्हारी सेवा करेंगे," क्योंकि वह विफल था इसी प्रकार से शैतान करना पसंद करता है, जब वह अपने सारे धर्म विज्ञान को प्रगट करता है, और वे सारे, जब वह साथ–साथ आता है, देखिए।

160 वह छोटा दाऊद वहां घूम रहा था, उसने शेर कि खाल ओढ़ी हुई थी लाल, झुके कंधे, एक छोटा सा लड़का लगभग सौ पाउंड का, एक सौ दस का। उसने कहा, "क्या तेरा अर्थ मुझे यह बताने का है कि जीवित परमेश्वर कि सेना जिसका वाचा वाला खतना हुआ है वहां खड़ी होगी और बिना खतने वाला फिलिस्तीनी जीवित परमेश्वर की सेना को ललकारे? "

161 शाऊल ने कहा, "लड़के, यहां आ।" उसने कहा, "मैं तेरी हिम्मत की सराहना करता हूं, परंतु आश्चर्यकर्मों के दिन बीत गए हमारे पास अब ऐसी कोई चीज नहीं है देखिए और मैं तुझे कुछ बताऊं, तू कौनसा संगति पत्र दिखा सकता है। समझे? तेरे पास तो हथियार भी नहीं है। तेरे पास गोफन को छोड़, तेरे हाथ में कुछ भी नहीं है। समझे? तेरे पास पीएच.डी. या एल एल.डी. नहीं है तू इसे कैसे करने जा रहा है? क्यों, वह पुरुष तो योद्धा है। क्यों, वह—वह तो डी.डी. दो एल, पी एच.डी., एल एल. क्यू. है। क्यों, उसके पास बहुत सारी डिग्रियां है, वह इनसे सारी दीवार ढांप देगा। और तू कौन है? एक भेड़ चराने वाला।"

162 उसने कहा, "परंतु मैं तुझे कुछ बताना चाहता हूं।" उसने कहा, "तू जानता हैं क्या? " कहा, "मैं अपने पिता की भेड़ो को वहां चराता था,

और," बोला, "एक सिंह ने आकर उनमें से एक को पकड़ लिया और भाग गया। और आपको मालूम हो, मैंने यह छोटा सा गोफन लिया और उसके पीछे भागा और उसे गिरा दिया। मैंने मेम्ने को उसके मुंह से छुड़ा लिया, और उसने मुझे पर हमला किया, जब मैंने यह किया। मैंने चाकू लिया और उसे मार डाला।" कहा, "मैं वापस गया। और वहां भालू आ गया, मेरी भेड़ के पीछे और उसे पकड़ कर ले गया, मैंने उसे भी मार डाला।" उसने कहा, "अब परमेश्वर... मेरी पी एच. डी नहीं। ना ही मेरी अपनी समझ मैं आपको नहीं बता सकता। मैं यह कैसे करता हूं, मैं नहीं जानता यह कैसे हो गया, परंतु परमेश्वर," आमीन, "वह परमेश्वर जिसने मुझे भालू और सिहं के पंजे से छुड़ाया, तो वह मुझे इस खतरनाक रहित फिलिस्तीनी के हाथ से कितना और छुड़ाएगा!"

163 एक बिशप, शाऊल ने कहा, "तुम जानो मैं विश्वास करता हूं कि लड़के तुम्हें बुलाहट है, मैं तुम्हें बताऊंगा, यदि तुम यहां आओगे तो मैं तुम्हें तलवार के ढांव पेच सिखाऊंगा, देखिए। और मैं तुम्हें बताऊंगा मैं—मैं एक डॉक्टर हूं, इसलिए तुम मेरे हथियार ले लो। मैं तुम्हें तैयार कर दूंगा।" दाऊद वहां खड़ा था और उन्होंने उसे पीएचडी या एल एल. डी दी और वह सब और—और वह बेचारा छोटा सा, हिल भी नहीं सका। उसे नहीं मालूम कि कैसे।

164 उसने कहा, "मैं इसका अभ्यस्त नहीं हूं। यह पुरोहितवाद मुझे ठीक नहीं आता। इन चीजों को उतार दो मुझे मेरे परमेश्वर की सहायता के साथ जाने दो।" यह परमेश्वर की सामर्थ में विश्वास है। और उसने—उसने अपनी समझ का सहारा नहीं लिया। कौन क्या कहता है, इस बात का सहारा नहीं लिया। वह विश्वास पर टिका। क्योंकि, वह जानता था, यदि परमेश्वर ने उसे भालू के पंजे से बचाया, तो फिर वह उसे पलिश्तीं से कितना और बचायेगा!

165 भई यदि परमेश्वर ने आपसे इतना प्रेम किया कि आपको पापो से बाहर निकाल लाया, और तुम्हें पवित्र आत्मा से भर दिया, तुम बिना रीढ़ वालों तुम्हारे साथ क्या मामला है सारे राष्ट्र में दुर्बलता है, क्या वह तुम्हें तुम्हारी बीमारियों से कितना अधिक छुड़ाएगा, जब कि उसने प्रतिज्ञा की है कि वह यह करेगा? परमेश्वर के वचन ने ऐसा कहा। वह यह करेगा। निश्चय ही, उसने उसे हाथों से छुड़ाया।

166 ओह, उन हर भविष्यवक्ताओं में क्या होता यदि वे अपनी समझ का सहारा लेते अपने युग में? तो वे कभी भी उन याजको और महायाजको के पास नहीं जाते और उन्हें "चुना फिरी हुई भीत" ना कहते और सब कुछ। वे उनके विरोध में कभी भी भविष्यवाणी नहीं करते, वे आज के आधुनिक नबियों के समान होते, सहमत होते, अच्छे कपड़े पहने हुए, और राजाओं के महलों में होते।

167 क्या होता यदि यहुन्ना अपनी समझ का सहारा लेता। परंतु वह सीधा गया।

168 उन्होंने कहा, "यहुन्ना अब जरा एक मिनट रुको, तुम *विवाह और तलाक* पर प्रचार ना करो।"

169 वह सीधा हिरोदेस के महल में गया, और उसने कहा, "तेरे लिए उसे रखना व्यवस्थानुसार नहीं।" जी हां, श्रीमान।

कहा, "ठीक है, तुम जानते हो, वह कौन है? यही वह... "

"मैं चिंता नहीं करता कि वह कौन है।" वह नहीं झुका।

170 कहा, "अब तुम जानते हो तुम्हारे पास प्रर्याप्त नहीं है। तुम यहां जंगल में हो। संगठन तुम्हें स्वीकार नहीं करेगा, यदि आप इस प्रकार का व्यवहार करोगे," उसने किसी भी संगठन की चिंता नहीं की। वह अपनी समझ पर नहीं झुका, परंतु परमेश्वर की समझ पर। निश्चय ही।

171 एक मनुष्य था जिसने अपनी समझ का सहारा लिया, और उसका नाम यहूदा स्क्रोती था। ओह, वह... मैं—मैं नहीं देखता वह इसे कैसे कर सकता था वह मसीह के संग संग चला जैसा कि हवा ने आरंभ में किया। उसने प्रमाण देखे थे, उसने परमेश्वर के चेहरे को देखा, जैसे हवा ने सांझ की ठंडक में। हवा ने मसीह को सांझ की ठंडक में वाटिका में देखा। और यहूदा सांझ की ठंडक में गतसमनी के बाग में बैठा, और बहुत से स्थानों में और उसी मसीह को देखा; उसे सिखाते हुए सुना और स्वयं को वचन से प्रमाणित किया, भविष्यवक्ता सिद्ध किया, जिसके विषय में मूसा ने कहा था कि वह उठेगा। और उन्हें वचन में बताया कि वह कौन था और उसके विषय में सब। उन्होंने यह परमेश्वर द्वारा सिद्ध होते देखा कि वह था, और फिर उसने अपनी समझ का सहारा लिया।

172 ओह! क्या वह यह कर पाया? यह इसलिए था क्योंकि वह वहां कभी भी उस पहली जगह पर नहीं था। वह अंकुरित बीज नहीं था। वह विनाश

का पुत्र था विनाश से उत्पन्न हुआ, विनाश में वापस चला गया। अब हम ध्यान देते हैं। परंतु वह बाहर निकल गया और हो सकता है उसकी समझ में यह विचार होगा हो सकता है उसने सोचा यीशु... उसके हृदय में उसके लिए बहुत सम्मान था, "अब आप जाने, मैं उसे चांदी के तीस सिक्कों में बेच सकता हूं और यदि मैं करता हूं, मेरे पास कुछ पैसा हो जाएगा और मैं उस से कुछ कर लूंगा, और वह योग्य है कि अपने आप को छुड़ा लेगा।" देखिए, उसे नहीं मालूम था कि वचन में, कि वह इसलिए उठा है कि उस स्थान को ले।

173 और ना ही आज लोग यह अनुभव करते हैं कि वे लोग किस दशा में है। वे इस लौदीकिया की कलीसिया के लिए ठहराए गए है कि इस स्थिति में हो कि मसीह को बाहर कर दें। और वह खटखटा रहा है, वापस आने का यत्न कर रहा है। [भाई ब्रन्हम मंच को खटखटाते है।—सम्पा।] यद्यपि कहीं से कोई सहयोग नहीं है। आज के दिन में अपने वचन को प्रमाणित कर रहा है, जैसे उसने हर दिन किया और वे उसे छोड़ कर निकल गए। अपनी समझ का सहारा ले रहे हैं, बस कुल मिलाकर यही है।

174 या, हो सकता है हम यह वह कहे जो उसने सोचा हो सकता है, यदि उसने मसीह को तीस सिक्कों में बेचा क्यों, तो उसकी बड़े–बड़े नामधारियों के साथ संगति हो जाएगी जो उस दिन के हैं, वे फरीसी और सन्दुकी। वह कहेगा, "अब रुके, वह स्वयं अपनी चिंता कर सकता है, मैंने उसे बड़े–बड़े युद्धों में देखा है; मैं—मैं ये—ये जानता हूं कि वह अपनी चिंता कर सकता है। इसलिए मैं थोड़ा पैसा बना सकता हूं, एक—एक प्रकार से जैसा थोड़ा सा हट जाना, जैसा कि यह था और तब फिर, मेरी आज इन कलीसियाओं से एक बड़ी मेल मुलाकात हो सकती है, यदि मैं उनके लिए उसे धोखा दे दू।" समझे? परंतु उसने अपनी समझ का सहारा लिया, बजाये उस समझ के जो कि परमेश्वर के वचन में प्रमाणित थी, और उसने यीशु के साथ वही किया जो वचनों ने कहा वह यह करेगा।

175 और आज, संसार की कलीसिया ने मसीह को इस अंतिम दिन में बाहर कर दिया है, ठीक वैसे ही जैसा प्रकाशितवाक्य की पुस्तक ने कहा है, कि वे ये करेंगे, यह फिर से यहूदा की आत्मा है, कलीसिया के रूप में, "भक्ति का भेष धरते है, परंतु वचन को नकारते हैं।" समझे? यह ठीक बात है। अब, ओह प्रभु! इसका क्या परिणाम हुआ? मृत्यु, जैसा हवा के साथ हुआ

और यह सब दूसरों के साथ होता है, जो परमेश्वर के वचन को विकृत करते हैं, और अपनी समझ का सहारा लेते है। वे अब भी बेचते हैं, तीस चांदी के टुकड़ों में नहीं, परंतु हो सकता है हो जाए, कोई बड़ा अधिकारी, कोई सेमनरी का अनुभव, जिसका दाम तीस चांदी के टुकड़े भी ना हो, परंतु जो भी है उन्होंने बेच दिया; अपनी समझ परमेश्वर के लिए, बेच दिया, बाहर इस प्रकार की चीजों के लिए।

176 महान ज्ञानी पौलुस से यह कितना भिन्न है, उसके पास सारा ज्ञान था, वह घमंड कर सकता था, परंतु उसने कहा, "मैंने अपने सारे तर्कों को छोड़ दिया, एक दिन मेरी भेंट अग्नि स्तम्भ से हो गई, दमिश्क की राह पर।" और उसने कहा, "मैं तुम्हारे पास शब्दों के ज्ञान के साथ कभी नहीं आया, क्योंकि, यदि मैं आता तो तुम मनुष्य की बुद्धि का भरोसा करते। परंतु मैं तुम्हारे पास पवित्र आत्मा के सामर्थ के प्रगटीकरण के साथ आया, ताकि तुम परमेश्वर के वचन पर टिके रहोगे।" आमीन। कहा, "यदि स्वर्गदूत स्वर्ग से आता है और कुछ और बात प्रचार करता है, तो वह शापित हो।" गलतियों 1:8। यह ठीक बात है। नहीं, श्रीमान। उसने कभी नहीं।

177 वह कुंवे पर साधारण स्त्री, वह व्यभिचारिणी थी। वह जानती थी कि कलीसियो ने उसे बाहर निकाल रखा है। और, परंतु उसने कभी भी अपनी समझ का सहारा नहीं लिया। जब वह इस वाले से कुवें पर मिली, जिसने उसके सारे पाप बता दिए जो उसने किए, वह नगर को भाग गई अब यह स्त्री के लिए ठीक नहीं था कि वह करें, कि जाकर कुछ भी कहे, क्योंकि वह एक वैश्या थी परंतु जब वह यीशु से मिली, उसने कभी भी लोगों की समझ का सहारा नहीं लिया, उन दिनों में। वह आई बोली, "आओ, देखो एक मनुष्य जिसने जो मैंने किया सब कुछ बता दिया। क्या यह ही तो मसीह नहीं? " उसने कभी भी अपनी समझ का सहारा नहीं लिया। नहीं।

178 वह कुंवारी मरियम जब स्वर्गदूत जिब्रायेल उस से मिला, उसे बताया कि उसे एक बालक होने वाला है, बिना किसी पुरुष को जाने। व्युह! कभी नहीं हुआ। उसने कभी भी अपनी समझ का सहारा नहीं लिया, कि स्त्री को बिना पति के जाने बालक नहीं हो सकता, वह इस पर नहीं टिकी। परंतु उसने कहा, "देख प्रभु की दासी, मुझे तेरे वचन के अनुसार हो।" उसने नहीं कहा, "मैं यह कैसे करने जा रही हूँ? और यह सब कैसे होने जा रहा है? "

179 स्वर्गदूत ने कहा, "पवित्र आत्मा तुझ पर छाया करेगा और वह पवित्र तुझ से जन्मेगा, परमेश्वर का पुत्र कहलायेगा।"

180 उसने कहा, "देख प्रभु की दासी।" उसने अपने तर्क नहीं लिए कहे कि यह नहीं हो सकता। बस, उसने कहा, "देख प्रभु की दासी।" यह ठीक बात है। ध्यान दे।

181 वह—वह स्त्री जिसे लहू बहता था, डॉक्टर ने उसे बताया, कहा, "कोई आशा नहीं है।" उसने अपनी सारी जीविका लगा दी थी, डॉक्टरों में और उनमें से कोई उसकी सहायता नहीं कर सका। और वह इस पर नहीं रुकी। जब यीशु... वह भीड़ में होकर घुसी, उसने कहा, "मैं विश्वास करती हूं यदि मैं उस मनुष्य का कपड़ा छु लुंगी, मैं चंगी हो जाऊंगी।" वह वहां गई।

182 "अब, रुके, डॉक्टर ने कहा, 'तुम ठीक नहीं हो सकती हो।'" उसे यह लहू बहना वर्षों वर्षों से है वह सारे समय निर्बल होती जा रही थी, और बुरी हालत। डॉक्टरों ने उसे छोड़ दिया था। उसके पास बस यही समझ थी।

183 परंतु उसने विश्वास से कहा! यह करने के लिए उसके पास कोई वचन नहीं था। परंतु उसने कहा, "यदि मैं उसके वस्त्र के छोर को छू लूंगी, मैं चंगी हो जाऊंगी," और वह वहां पर घुसी और उसको छू लिया, वह वापस गई, बैठ गई।

184 यीशु घूमा और बोला, "मुझे किसने छूआ?" चारों ओर देखा जब तक ढूंढ नहीं लिया। उसने उसे लहू बहने के विषय में बताया।

185 और उसे अपने शरीर में उसी घड़ी अनुभव हो गया कि उसका लहू बहना बंद हो गया। उसने कभी तर्क नहीं किया, "यदि डॉक्टर ने उसे छोड़ दिया था, तो उसकी और कैसे सहायता हो सकती थी?" वह तर्क पर नहीं गई, परंतु विश्वास पर गई।

186 अब बाइबिल ने कहा, "कि आज वह महायाजक है, जिसे हम अपनी दुर्बलताओं के साथ छू सकते हैं।" यह ठीक बात है? [सभा "आमीन" कहती है—सम्पा।]

तर्क पर ना जाये, कहते हैं, "ओह यही..."

उसने कहा, "आज वह है वह ठीक इस समय महायाजक है, जिसे हम अपनी दुर्बलता की भावना से छू सकते हैं। वह कल, आज और सर्वदा एक सा है!"

187 आप क्या सोचते हैं, जब मैं वहां एक बैपटिस्ट प्रचारक था, और प्रभु का स्वर्गदूत मुझे वहां मिला और मुझे अधिकार दिया कि जाकर यह कर जो मैं कर रहा हूं? क्यों मेरे पास्टर ने कहा, "तू पागल हो गया है। क्यों, तुझे दुख स्वप्न आ रहे थे, तुझे।"

मैंने कहा, "अच्छा हो कि तुम मेरा संगति पत्र अभी ले लो।"

188 अब, उसने कहा, "तुम कैसे सकते हो, तुम्हारे पास तो साधारण विद्यालय की शिक्षा भी नहीं है, कि सारे संसार में प्रचार करो? तुम कैसे राजाओं और हाकिमो के लिए प्रार्थना करोगे, और तुम—तुम—तुम अपनी व्याकरण का सही प्रयोग नहीं कर सकते? "

189 मुझे अपनी व्याकरण पर भरोसा नहीं था। मेरा किसी भी योग्यता में भरोसा नहीं था, जो मेरी थी। मुझे प्रधिकार मिला था। हाल्लेलुय्या! और मैं तर्कों पर नहीं गया। यदि मैंने तर्कों को सुना होता, तो संभवता वर्षों पहले, हजारों लोग मर गए होते। परंतु मैं एक संदेश लेकर चला, ठीक वैसे ही जैसा उसने कहा, सारे सारे संसार में।

190 और मैं फिर जा रहा हूं, परमेश्वर के अनुग्रह से; तर्कों के द्वारा नहीं, परंतु प्रधिकार के द्वारा। हाल्लेलुय्या। मैं नहीं झुका... आप कहते हैं, "आप पच्चपन वर्ष के हो गए हैं।" यदि मैं पंच्चानबे का था, इस से कोई मतलब नहीं। वह अब भी वही परमेश्वर है, वह जो अब्राहम के साथ था। जी हां, श्रीमान। अपनी समझ का सहारा ना लेना।

191 और चिन्ह के आगे चलने के बाद और पीछे से आवाज आ रही है, और कलीसियाये मुझे छोड़ रही है और शिक्षा पर अपने दरवाजो को बंद कर रही है और उनमें से किसी की भी हिम्मत नहीं कि मेरे सामने खड़ा हो और कहे, यह गलत या सही है। मैं उनमें से किसी को भी चुनौती देता हूं। ओह। तेज होने के लिए नहीं, परंतु मैं जानता हूं कि मैं कहां पर हूं। यह ठीक बात है। उन्होंने क्या किया? उन्होंने क्या किया? उन्होंने हर दरवाजा बंद कर दिया "अब तुम क्या करने जा रहे हो? "

192 उस दिन उस पहाड़ पर, मैं वहां खड़ा हुआ था। मैंने कहा, "प्रभु, सारे राष्ट्र में मेरे पास एक दरवाजा खुला है, जहां तक मैं जानता हूं, ये

फिनिक्स, एरीजोना है। केवल एक ही मेरे पास है।" और मैं पहाड़ से नीचे उतरने लगा, बिल्कुल स्पष्ट जैसे मैंने कभी किसी को बोलते सुना, कहा तुझे इससे क्या? तू मेरे पीछे चल, तब अपनी समझ पर नहीं। मैंने उसकी प्रतिज्ञा का सहारा लिया।

193 ओह मित्र, तर्कों का सहारा ना लो। तब आप पुराने ऐडी परनेंट के साथ चिल्ला उठते हैं:

यीशु नाम की सामर्थ की जय हो!
स्वर्गदूत दंडवत करें;
उस शाही मुकुट को सामने लाओ,
और सब के प्रभु को ताज पहनाओ;
सब के प्रभु को ताज पहनाओ।

194 यह ठीक बात है। जो आप सोचते हैं उसका सहारा ना लें, कौन क्या सोचता है। विश्वास के द्वारा परमेश्वर की प्रतिज्ञा को स्वीकार करें। क्या आप यह करेंगे? अब यह नहीं है, चाहे किसी ने क्या किया है या नहीं, चाहे वे इसे ना करें, परंतु आप के विषय में क्या है? तुम इस यीशु के साथ क्या करोगे जो मसीह कहलाता है, जिसने इन दिनों में अपने आप को प्रगट किया है, वैसे ही जैसा उस दिन किया था? क्या आप उसका विश्वास करते हैं? [सभा "आमीन" कहती है।—सम्पा।]

आईये प्रार्थना करें

195 प्रभु यीशु, राजाओं के राजा प्रभुओ के प्रभु, ईश्वरो का परमेश्वर, आधिपतियो के परमेश्वर, पहला, अंतिम; अल्फा, ओमेगा, आदि और अंत, चमकने वाला भोर का तारा, शेरोन का गुलाब, घाटी की कुमदुनी, दाऊद की जड़ और संतान; प्रभु परमेश्वर, आ! कल, आज और सर्वदा एकसा है!

196 प्रभु इस भीड़ को आशीषित कर दें। यह... [खाली टेप—सम्पा।] कल आरंभ करने जा रहे हैं। हमारे यहां छोटी सी सभा है और आपने इसमें हमें आशीषित किया है। आपने अपने आपको हम पर प्रकट किया है परमेश्वर मैं प्रार्थना करता हूं, कि आप अपने आपको हम पर निरंतर प्रगट करते रहेंगे। आज रात्रि हमें आशीषित करें, अब हमारी सहायता करें। हम लोग आवश्यकता में है।

197 और प्रभु आप जानते हैं, मैं लोगों को डांटना नहीं चाहता, परंतु मैं उस पवित्र आग को कैसे शांत करु? प्रभु मैं यह नहीं करना चाहता। आप मेरे जीवन को जानते हैं, मेरे ह्रदय को मुझे यह करना है। और परमेश्वर मैं प्रार्थना करता हूं, कि यह करने में आप मेरी सहायता करेंगे, बस मुझे अनुग्रह दें और मुझे कभी भी अपनी समझ का सहारा ना लेने दे, परंतु मैं आपकी प्रतिज्ञा का सहारा ले लू, यीशु के नाम में। आमीन।

198 मैं आप में हर एक को चाहता हूं कि वास्तव में कुछ मिनटों के लिए श्रद्धा में रहे लोगों कि इस भीड़ में, कोई संदेह नहीं, यहां पुरुष और स्त्रीयां बैठी हुई है, जो बीमार है। कितने यहां बीमार और पीड़ित है, अपने हाथों को उठाये, बस कहे, "मैं परमेश्वर की आवश्यकता में हूं"? ठीक अभी अपने हाथों को उठाये, "मैं परमेश्वर की आवश्यकता मैं हूं।"

199 अब, मैं बहुत से लोगों को नहीं जानता, मैं इन तीन लड़कों को नहीं जानता हूं जो यहां पर बैठे हैं। मैं यहां श्री डाऊच और उनकी पत्नी को जो यहां बैठे हैं जानता हूं मैं सोचता हूं, मैं सोचता हूं यह बहन मूर है। मुझे पक्का नहीं है। क्या यह ठीक बात है, बहन मूर? इसके बाहर, मैं समझता हूं, यह करता है भाई माईक के लिए और प्रचार मंच पर। जहां तक मैं देखता हूं, जो मैं जानता हूं।

200 परंतु स्वर्गीय पिता जिसने प्रतिज्ञा दी है और इस दिन में वह स्वयं को इस युग में प्रमाणित करेगा, ठीक वैसे ही जैसा उसने सादोम में किया। क्या उसने प्रतिज्ञा दी है? [सभा "आमीन" कहती है।—सम्पा।] स्वयं को प्रगट किया! क्या आप इस बात का विश्वास करते हैं? ["आमीन।"]

201 अब यदि आप विश्वास के द्वारा प्रार्थना करेंगे! अब तर्क करने की कोशिश ना करें, "मैं कैसे उसे एक महायाजक के समान छू सकता हूं? "

202 अब बाइबल ने कहा है, नया नियम, "वह इस समय महायाजक है, वह मल्कीसेदेक की रीति पर निरंतर महायाजक है, वह सदा के लिए महायाजक है। उसे छोड़ और कोई महायाजक नहीं है, परमेश्वर और मनुष्यो के बीच कोई दूसरा बिचवाई नहीं है, सिवाये मनुष्य मसीह के।" यह ठीक बात है। केवल वही एक है, और वह कल, आज और सदा तक एक सा है।

203 अब यदि वह वही महायाजक बना रहता है, और बाइबल ने कहा, "हम उसे अपनी दुर्बलताओं के अनुभव के द्वारा छू सकते हैं," जैसे उस छोटी स्त्री ने किया कि उसका वस्त्र छू लिया आपका विश्वास आज रात्रि उसे छू

सकता है वह मनुष्य की देह में वही व्यवहार करेगा, जैसा तब किया जब वह मानव देह में था वहां अब्राहम के बांज पर। क्या आप इसका विश्वास करते हैं? [सभा "आमीन" कहती है।—सम्पा।] उसने प्रतिज्ञा की है कि वह उसे करेगा। अब बस प्रार्थना करें, कोई भी जिसे आवश्यकता हो, और मैं—मैं...

204 यह जैसा मैंने कहा, एक वरदान ऐसा कुछ नहीं जैसे आप एक चाकू ले ले, और यदि आप इससे *इसे* काटना चाहे, आप काट सकते हैं; या आप *इसे* काटे, आप इसे काट सकते हैं, या आप जो भी चाहे। यह परमेश्वर का वरदान नहीं है। समझे? नहीं।

205 परमेश्वर का वरदान कुछ ऐसा आपके पास अपने आप से असाधारण रीति से मिलता है और वरदान और बुलाहट परमेश्वर के ठहराये हुए होते हैं, "वरदान और बुलाहट यहां तक कि बिना प्रायश्चित के हैं।" आप इसके साथ जन्म लेते हैं। आप इसमें थोड़ा सा प्रयत्न करते हैं, परंतु आप इसे उत्पन्न नहीं कर सकते समझे? इसे परमेश्वर ने चलाना होता है। आपको अपने आपको मार्ग से हटाना होता है।

206 आपका विश्वास इसे कार्यवन्त कर सकता है, मेरा नहीं, आपका मेरा, इसे मार्ग से हटा देता है। आप पुरे हृदय से विश्वास करते हैं कि यीशु मसीह आज जीवित है।

207 अपनी समझ का सहारा ना लेना आप कहते हैं, "भई, अब देखिए मैं—मैं गंभीर अवस्था में हूं, भाई। आप मुझे नहीं जानते। मैं पहिए वाली कुर्सी में हूं। मैं रहा हूं... "

208 मैं चिंता नहीं करता आप क्या कर रहे हैं, और देखिए यदि परमेश्वर नीचे नहीं आएगा और ठीक वैसा ही करें जैसा अब वह पृथ्वी पर था, स्वाभाविक देह में वह आपकी देह में करेगा, मेरी देह में, मिलकर एक इकाई के समान, उसमें विश्वास कर रहे हैं। वह यह करेगा क्योंकि, उसने प्रतिज्ञा की है वह यहां करेगा।

209 अब उस पर ना टिके कि कौन क्या कहता है, "ओह, यह तो मस्तिष्क का पढ़ना है," जो वे इसे कहते हैं। कहा यीशु वही चीज था। उन्होंने कहा वह एक भाग्य बताने वाला था, "एक शैतान।" परंतु वह परमेश्वर का पुत्र था, क्योंकि वह परमेश्वर के वचन की प्रतिज्ञा के अनुसार था।

210 अब जैसा मैंने कहा हमारे—हमारे स्थान, हमें उसे प्राप्त नहीं करना है, कि आकर और लोगों पर हाथ रखे, हमने गत रात्रि उन पर हाथ रखे, परंतु केवल एक बात आपके पास विश्वास होना है, और तब पहचाने विश्वास के द्वारा आप इसे स्वीकार करते हैं। ना कि—ना कि किसी चीज के द्वारा जो...

ना कहे, "भई, अब यह कैसे हो सकता है? "

211 यदि मैं आपको बता सकता होता कि यह कैसे हुआ था, तो फिर यह विश्वास नहीं होगा मैं नहीं जानता यह कैसे हुआ, मैं नहीं जानता, परंतु, मैं इसका विश्वास करता हूं। मैं—मैं नहीं जानता कि कैसे—कैसे परमेश्वर एक पापी को बचाता है, परंतु वह यह करता है मैं नहीं जानता कि परमेश्वर किस चीज को कैसे करता है, परंतु मैं स्वीकार करता हूं। वह, वह यह करता है और यही विधी है, क्योंकि मैं इसकी व्याख्या नहीं कर सकता, अब भई, मैं... कभी भी व्याख्या नहीं करूंगा। कोई नहीं कर सकता। क्योंकि, यदि आप करते हैं, तो फिर यह विश्वास नहीं रहा।

212 मैं नहीं देखता कि कैसे परमेश्वर और मसीह एक व्यक्ति हो सकते है, परंतु वे थे। पर वचन ने कहा। ठीक है, आप इसकी व्याख्या नहीं कर सकते, परंतु, वे थे, "मेरा पिता मुझ में है, यह मैं नहीं जो कार्य करता है; यह मेरा पिता मुझ में है। यदि मैं उसके कार्य ना करूं, तो यह दिखाता है कि मैं उसका नहीं हूं। परंतु यदि मैं उसके कार्य करता हूं तब वह स्वयं में गवाही देता है कि मैं उसका हूं।"

213 ठीक है, अब यह वही चीज है, ठीक वही चीज। वह कल, आज और सर्वदा एक सा है, यदि आप विश्वास करेंगे।

214 अब यहां एक व्यक्ति ठीक मेरे सामने बैठा है, उसके बाल काले हैं उसने हाथ में घड़ी पहनी हुई है; काला सूट है, उसने चश्मा लगाया हुआ है। यदि आप सीधा इधर देख सके आप उसे आंखें बंद किए हुए देख सकते हैं, प्रार्थना कर रहा है। मैं उस व्यक्ति को नहीं जानता। स्वर्गीय पिता जानता है, मैं उसे नहीं जानता मैं उस व्यक्ति को नहीं जानता, स्वर्गीय पिता जानता है, मैं उसे नहीं जानता। परंतु मैं उसे एक मिनट के लिए देखने जा रहा हूं क्योंकि ऐसा दिखाई पड़ता है कि वह बहुत ही निष्कपट है, यहां बैठा हुआ है जब से मैंने उल्लेख किया है, यह मनुष्य अपनी आंखें बंद किए हुए हैं, और प्रार्थना आरंभ कर दी। यह व्यक्ति मेरे लिए अपरिचित है, यह मेरे हाथों में

है, मैं उसे नहीं जानता परमेश्वर उस मनुष्य को जानता है, और वह मुझ पर प्रगट कर सकता है। यदि बाइबल में यह प्रतिज्ञा सच्ची है, वह मुझ पर प्रगट कर सकता है कि उस मनुष्य ने किस लिए आंखें बंद कर रखी है और वह किस विषय में प्रार्थना कर रहा है। क्या आप इसका विश्वास करते हैं? [सभा "आमीन" कहती है।—सम्पा।]

215 श्रीमान, क्या आप यह विश्वास करते हैं? यदि आप करेंगे, अपनी आंखे खोले आप ठीक यहां बैठे हैं, सीधे यहां देखिए। क्या आप यह विश्वास करते हैं? ठीक है। अब आप यह जानते हैं कि मैं आपको नहीं जानता। हम एक दूसरे के लिए अपरिचित है। परंतु परमेश्वर आपको जानता है। अब वह रोने लगा, रो रहा है। क्योंकि मैं उसे बता सकता हूं कि परमेश्वर उसके निवेदन का उत्तर देने जा रहा है, देखिए, क्योंकि, यही जिसने उसे प्रमाणित किया है, तब से वह ज्योति; अंधेरे से ज्योति में बदल गई। समझे?

216 अब, यह मनुष्य किसी और के लिए प्रार्थना कर रहा है, यह वह लड़का जो उसके बराबर में बैठा है, यह उसका पुत्र है। यह ठीक बात है। अब, यह छोटा लड़का पेट की खराबी से पीड़ित है, और उसकी आंत में कुछ गड़बड़ है। यह ठीक बात है। यह ठीक बात है।

217 ये लोग यहां से नहीं है, आप लोग ऐरिजोना से है, आप कैलिफोर्निया से है। ठीक है। और आप एक सेवक हैं, और आपकी संगति असेंबली ऑफ गॉड से हैं। यह सच है। रेवरंड मेककेग आपका नाम है, या रेवरंड केग, यह ठीक बात है, क्या यह सच है? वो अपना हाथ *इस* प्रकार से हिलाई अब आपका छोटा लड़का चंगा होने जा रहा है। समझे? आपका विश्वास!

218 अब क्या? वहां एक मनुष्य है, जिसने अपने हाथ ऊपर उठा रखे हैं, वह मुझे नहीं जानता, मैं उसे नहीं जानता, परंतु यह क्या था? उसने महायाजक को छू लिया। अब, देखिए, वह अपनी समझ का सहारा नहीं ले सका अब क्या, उसे करना है, अब वह क्या करता है? उसे इस बात का विश्वास करना पड़ेगा कि जो उसे बताया गया, सच है, क्योंकि वह जानता है कि वह मुझे नहीं जानता। यह ठीक बात है।

219 यहां, यहां एक स्त्री नीचे ठीक मेरे सामने बैठी है, और उसने भी अपना सिर झुका रखा है, वह कैंसर से पीड़ित है वह भी कैलिफोर्निया से आई है।

मैं आशा करता हूं, वह इसमें चूकेगी नहीं। कुमारी एडमस। यह उसका नाम है, मैंने उसे कभी भी अपने जीवन में नहीं देखा। जी हां, यह सच है।

220 वह एक महिला *वहां* पीछे की ओर बैठी है।, मैं नहीं कर सक रहा हूं, परंतु मैं ज्योति को वहां उसके ऊपर देख रहा हूं। वह बहुत ही परेशानी में है। उसकी गर्दन में परेशानी है, एक बात के लिए। और दूसरी बात, उसे—उसे आत्मिक परेशानियां है, वह परेशानियों के लिए चिंतित है, और उसके घर में परेशानी है; उसकी लड़की भाग गई है। यह ठीक बात है। यह सच है, क्या नहीं? उसने अपना हाथ उठा दिया है। श्रीमती मिलर। यह ठीक बात है। आप विश्वास करती हैं? परमेश्वर उसे वापस भेजेगा आपकी देह को चंगा करेगा। अब मैंने इन्हें कभी अपने जीवन में नहीं देखा। यह पूरी रीती से बिल्कुल अपरिचित है।

221 यहां मंडली में एक महिला बैठी है, वह—वह यहां से नहीं है, यह कैलिफोर्निया से है। इसे कैंसर है और कैंसर उसकी छाती पर है। और उसका एक छाती का शल्य चिकित्सा हो गई है, और यह दूसरे में चला गया। ठीक है। कुमारी केलविन। यह ठीक बात है आप विश्वास करती हैं कि परमेश्वर आपको चंगा कर देगा? आप इसका विश्वास करती है, महिला मैं आपके लिए अपरिचित हूं, मैं आपको नहीं जानता। यह सच है। समझे? इसे कैंसर है।

ताकि आप जान सके कि परमेश्वर उपस्थित है!

222 वहां एक महिला उससे अगली बैठी है, उसका नाम हेरिस है। वह मेरे लिए पूरी रीती से अपरिचित है परंतु जब आत्मा ने उस स्त्री को प्रभावित किया, वह भी उसके साथ सहानुभूति में थी और वह कैलिफोर्निया से आई है, यह ठीक बात है। और उसके कंधे में तकलीफ है। यह ठीक बात है। आप विश्वास करती है कि परमेश्वर आपको चंगा कर देगा। यदि यह सच है, तो आप हाथ उठायें, ताकि लोग देख सके; बिल्कुल अपरिचित।

223 अपनी समझ का सहारा ना ले। यह क्या कर सकता है? आप इसकी व्याख्या नहीं कर सकते। यह विरोधाभास है। यह व्याख्या करने से परे है। उन लोगों से पूछे; मैंने इन लोगों को कभी अपने जीवन में नहीं देखा, उनके बारे में कभी कुछ नहीं जाना यह सभा में चलता रह सकता है।

224 परंतु, अब देखिए, अपनी समझ का सहारा ना लेना। परंतु जो उसने प्रतिज्ञा की है उस का सहारा लेना कि वह यह करेगा यदि यह वही आत्मा

नहीं है, जो मनुष्य कि देह में रह रही थी, जिसने जाना कि साराह तंबू में फंसी थी, उस मनुष्य के पीछे। क्या यह ठीक बात है? और उसने प्रतिज्ञा दी, ठीक इसके पहले कि संसार आग से नष्ट हो, जब मनुष्य का पुत्र स्वयं को फिर से प्रगट करेगा, उसी प्रकार से जैसे मनुष्य का पुत्र (नबी) अपने आपको मनुष्य की देह में प्रगट करेगा, जैसा कि वह आज रात्रि हमारे साथ है, जैसा उसने तब किया। अब हम किस घड़ी में जीवित है? ठीक विनाश के समीप।

225 मित्र, यहां और पापी के समान ना खड़े रहे, यीशु मसीह को स्वीकार कर ले, जबकि आप उसकी उपस्थिति में है। अब, मैं जानता हूं, अक्सर, एक सेवक का रिवाज होता है कि निवेदन करता है और कहानियां बताता है, मां के विषय में जो मर गई और आगे बढ़ता है। यह ठीक है। परंतु हम अपनी मां के आधार पर नहीं आते जो मर गई है। मेरी मां मर गई है, मेरी पिता भी, परंतु हम सोच विचार कर आते हैं, परमेश्वर के प्रगटीकरण के आधार पर स्वीकार करते हैं, स्वयं में यीशु मसीह में, कि संसार के पापों को उठा कर ले गया। हम आते है और प्रायश्चित में विश्वास करते हैं। और जबकी उसने अपने वचन को प्रमाणित किया है...

226 मैं चिंता नहीं करता कि आप कौन सी कलीसिया में चले गए, मैथोडिस्ट, बैपटिस्ट, कैथोलिक, प्रेसबीटेरियन, या बिल्कुल कोई कलीसिया नहीं। यदि आप स्वीकार करते हैं आप ने अंतर समझ लिया है, और जानते हैं कि आपने वास्तव में कभी भी नया जन्म नहीं पाया, परंतु आप चाहते हैं और इसे अब स्वीकार करना चाहते हैं, अब प्रतिज्ञा को हो सकता है। आप अभी भरे हो, परंतु आप मर जाएंगे जब... जैसे कि सभा चल रही है। आप उन आधारों पर स्वीकार करना चाहते हैं, क्या आप अपने पैरों पर खड़े होंगे, और मुझे आपके लिए प्रार्थना करने दें, ठीक वही जहां आप खड़े हैं। हर कोई यहां जो जानता है...

227 अपने सहारे ना रहे, ठीक है, कहते हैं, "मैंने अन्य भाषाएं बोली है।" अब इसका उसके साथ कुछ लेना–देना नहीं है। मैं भी अन्य भाषा बोलने में विश्वास करता हूं।

228 परंतु मैंने जादूगरों को शैतान हर चीज को देखा है। अन्य भाषा बोलते और उसका अनुवाद करते। यह ठीक बात है। यहां मिशनरियों से पूछें, हम भाई क्रिच से मालूम कर सकते हैं और आप जानते हैं, यह ठीक बात है।

मैंने उन्हें अन्य भाषाओं में बात करते देखा है, और मनुष्य के कपाल से लहू पीते हैं, प्रेत आत्माओं को बुलाते हैं। निश्चय ही। मैंने उन्हें पेंसिल रखते देखा और यह खड़ी हो जाएगी; और अन्य भाषा में लिखती है, और जादूगर या ओझा वहां खड़े, इसका अनुवाद करते हैं।

229 इसलिए अन्य भाषाओं में बोलना कोई चिंता नहीं है कि आपके पास पवित्र आत्मा है। यदि ये है, आप अन्य भाषाओं में बोलते हैं और इस वचन का इन्कार करते हैं, तो फिर कहीं कोई गड़बड़ है। ठीक है, ओह, ठीक है। अपनी समझ का सहारा ना ले।

230 कोई अब, यह कहता है, "भई मैं चिल्लाया हूं।" मैं भी। परंतु इस पर निर्भर ना करें।

231 मैंने सब प्रकार की शैतानी शक्तियां देखी है, चीखती और चिल्लाती है। मैंने देखा है मुसलमान चीखते और चिल्लाते हैं, जब तक वे अपने को ऐसी स्थिति में नहीं ले आते हैं कि वह अपने हाथों में से लकड़ी की छिपटिया पार ना कर दे। भारत में, मैंने उन्हें चिल्लाते और ऊपर–नीचे कूदते, पानी भरे गुब्बारे को छल्ले से अपनी खाल को में लटकाते और गर्म अंगारों पर चलते देखा है, और सीधे–सीधे यीशु मसीह का इनकार करते हैं।

232 देखिए, अपनी समझ का सहारा ना ले, परंतु परमेश्वर के वचन पर। यदि आपका जीवन इस बाइबल के साथ मेल नहीं खाता, कि हर वचन जो इसमें है विश्वास करें; और आप इसका विश्वास करना चाहते हैं, और चाहते हैं कि परमेश्वर अपनी इच्छा आपके द्वारा पूरी करें क्योंकि आप परमेश्वर के भाग हो सकते हैं, क्या आप खड़े होकर कहेंगे, "कि भाई मैं इसे इसी समय स्वीकार करता हूं।" धन्यवाद। धन्यवाद। परमेश्वर आपको आशीष दे। परमेश्वर आपको आशीष दे। परमेश्वर आपको आशीष दे। परमेश्वर आपको आशीष दे। परमेश्वर आपको आशीष दे। बहुत ही अच्छा। परमेश्वर आपको आशीष दे। परमेश्वर आप सब निष्कपटो को प्रदान करें, आप कहते हैं... थोड़ा—थोड़ी देर खड़े रहे...

233 आप कहते हैं, "भाई ब्रन्हम, मैं कलीसिया का सदस्य हूं, पर वास्तव में मैं एक पेंटीकोस्टल हूं; परंतु जब यह वास्तव में आता है कि वास्तव में कहें, मैं सारे वचन का सत्य होने का विश्वास करता हूं, मैं बस नहीं कर सकता, परंतु मैं—मैं यह करना चाहता हूं, आप मेरी सहायता करें आप मेरे लिए प्रार्थना करें। मैं खड़ा होना चाहता हूं, और कहता हूं, 'मैं—

मैं... '" आप कहते हैं, "भई, देखिए, यहां बैठे हैं या मैंने इस कलीसिया में गवाही दी है, कि मैं था।" परंतु आप हृदय की गहराइयों में जानते हैं, कि आप नहीं है। परमेश्वर जानता है कि आप भी नहीं है, देखिए, इसलिए क्यों ना खड़े हो जाएं। अपनी समझ का सहारा ना लें, परंतु उसके वचन पर टिक जाए।

234 क्या कुछ और खड़े होंगे? कोई भी जो खड़ा होना चाहे? परमेश्वर आपको आशीष दे। परमेश्वर आपको आशीष दे। परमेश्वर आपको आशीष दे। "परमेश्वर मेरी सहायता करें।" परमेश्वर आप सब को आशीषित करें। यह अच्छा है। बस खड़े रहे।

235 कहते हैं, "क्या इससे मेरा कुछ भला होगा? " एक बार खड़े हो, देखिए यदि होता है। वास्तव में इसका अर्थ है, "भाई ब्रन्हम, मैं चाहता हूं, मैं ठीक होना चाहता हूं। मैं ठीक होना चाहता हूं।"

236 अब, मैं यह नहीं कह रहा हूं कि अपनी कलीसिया छोड़ दे। नहीं, श्रीमान। वही रहे, जहां आप हैं बस एक वास्तविक आत्मा से भरा व्यक्ति कलीसिया में, आप कहते हैं, "भई, मैं नहीं जानता कि मेरा पास्टर क्या कहेगा।" वह आपकी सराहना करेगा, यदि आप हैं, यदि वह परमेश्वर का जन है। यह ठीक बात है।

237 "तुम्हारा उजियाला मनुष्यो के सामने चमके, ताकि वे आपके भले कामों को देखें और अपने पिता की महिमा करें।"

238 परमेश्वर आपको आशीष दे। अच्छा, परमेश्वर आप दोनों को आशीष दे, और आपको; और आपको, भाई आपको। परमेश्वर आपको आशीष दे प्रत्येक को। परमेश्वर आपको आशीष दे। परमेश्वर आपको आशीष दे वहां पर।

239 अब आप जिन्होंने अपने हाथ उठाएं, यदि हाथ उठाने के बाद आपको अच्छा लग रहा है, अपना हाथ उठाये, दूसरों को बताये कि आपको अच्छा लग रहा है, हाथ उठाने के बाद। देखिए, हर हाथ आप निश्चिय ही करते हैं, देखिए आप निष्कपट है। आप खड़े हुए कहते हैं, "मैं एक गवाह होऊंगा।"

240 "वह जो यहां मेरे लिए खड़ा होगा, मैं वहां उसके लिए खड़ा होऊंगा। वह जो मुझसे यहां न लज्ञायेगा, इन मनुष्य के सामने मैं अपने पिता के सामने और पवित्र स्वर्गदूतों के सामने उससे लज्ञाऊंगा।" उससे ना लज्ञाये। अपनी समझ का सहारा ना ले। परमेश्वर के वचन पर टिक जाए। "वह जो मुझे

मनुष्यो के सामने लेगा, उसे मैं अपने पिता के सामने मान लूंगा और पवित्र स्वर्गदूतों के सामने।"

241 क्या कुछ और है, इसके पहले कि हम प्रार्थना करें? आइए तो फिर हम अपने सिरो को झुकाए। परमेश्वर आपको आशीष दे, बहन। निश्चय ही। परमेश्वर आपको आशीष दे, और आप भाई निश्चय ही क्या कोई और होगा, हमने अभी अपने सिरों को झुकाया है? परमेश्वर आपको, आपको आशीष दें। अब यह ठीक है, आप अब भी खड़े हैं। हम एक क्षण के लिए रुकेंगे, थोड़ी देर के लिए। परमेश्वर आपको आशीष दे, भाई। परमेश्वर आपको आशीष दे। कहते हैं, "क्या इसका कोई अर्थ है, कहते हैं, 'परमेश्वर आपको आशीष दें'? " यह मेरी आशीषों की आपके लिए घोषणा है। परमेश्वर आपको आशीष दें।

242 आप में से कुछ जो दीवारों के साथ खड़े हैं, आपके पास बैठने को जगह नहीं है, क्या आप अपने हाथों को उठाएंगे, कहे, "परमेश्वर यह मैं हूं"? परमेश्वर आपको आशीष दे भाई, परमेश्वर आपको आशीष दे, और आपको; और आपको बहन; और आपको, मेरे भाई; और आपको मेरी बहन।

243 ओह, पवित्र आत्मा यहां बड़े प्रेम से मंडली पर मंडरा रहा है। क्या आप यह अनुभव कर सकते हैं? परमेश्वर आपको आशीष दे, तुम नौजवान यहां प्रचार मंच पर। परमेश्वर वहां कोने में आपको आशीष दे। तुम नौजवान, परमेश्वर आपको आशीष दे। जी हां।

244 ओह पवित्र आत्मा, अब हमारे ह्रदयो में फिर से ताजगी के साथ हलचल कर दे, प्रभु, हमें हमारी गलतियां दिखा दे। हम नहीं... हम अपनी समझ का सहारा नहीं लेंगे, अपने तर्को का। परंतु हम आप पर टिकेंगे, क्योंकि हम जानते हैं कि हम आपके दिव्य में खड़े हैं, आज की प्रमाणित की हुई प्रतिज्ञा में। आपने अपने आपको किसी भी तर्क से ऊपर प्रगट किया है, हम तर्क नहीं कर सके ना ही व्याख्या कर सके। परंतु आप ठीक हमारे बीच में नीचे उतर आए और अपने को हम पर प्रकट किया कि आप यहां पर है, और पुरुष और स्त्रियां इस बात का विश्वास कर रही है और इसे स्वीकार कर रही है।

245 परमेश्वर, इन में से प्रत्येक को अपनी छाती से लगा ले, और इन्हें युगों कि चट्टान में छिपा ले जब तक कि आग आगे ना बढ़ जाए। प्रभु हमारा जल

जाना तय था। वह हम यह जानते हैं हम वहां सदोम में है। "परंतु धर्मी, दोषियों के साथ नष्ट नहीं होगा।" आप अपने बालकों को बुलायेगा, प्रभु आपने लूत को बताया कि "वहां से निकल जाए। निकल जाए।" मैं प्रार्थना करता हूं, परमेश्वर, कि प्रत्येक जो आज रात्रि उस स्थिति में है, जो वहां है, निश्चित नहीं कि वे कहां खड़े हैं...

246 परमेश्वर, वे उस मौके को नहीं लेगे कि एक ओर के रास्ते पर जाएं, गलत रास्ते पर वे लाल बस्ती पर भागने का मौका नहीं लेंगे, यदि वे अपनी सही मानसिक स्थिति में है, क्योंकि वे मारे जा सकते हैं। तो फिर कैसे एक मनुष्य अपनी अनन्त गंतव्य के लिए इस मौके को ले सकेगा कि बस कल्पना करें, मान ले, बिना किसी अधिकार के साहस करें बिना वास्तविक अधिकार के साहस दिखाना, क्योंकि वे एक कलीसिया या नामधारी से है? और वास्तव में वे नहीं सकते वे नहीं समझ सकते कि कैसे वह परमेश्वर का वचन आज वैसा हो सकता है जैसा वह तब था, कैसे वे प्रतिज्ञाएं प्रगट हो सकती है कि "प्रेरितायी युग चला गया।" पिता उनकी सहायता करें। मैं आपको उन्हें यीशु मसीह के नाम में समर्पित करता हूं। आमीन।

247 मेरे भाई, बहनों धन्यवाद। मैं आपको अपना भाई बहन पुकार कर आनंदित हो।

248 याद रखें। परमेश्वर न्याय के दिन मुझे हर वचन के लिए उत्तरदाई ठहरायेगा। हर चीज जो मैंने आज रात्रि प्रचार की है, मुझे उसका उत्तर देना है। मैं इसके लिए विवेकशील हूँ। और जब से मैं छोटा लड़का था, मैंने क्या किया है, इस सुसमाचार को प्रचार किया है, और फिर निकाल दिया गया?

249 अब आप लोगों में से कितने बीमार और पीड़ित हैं, यहां आज रात्रि, और आप प्रार्थना करवाना चाहते हैं? अपने हाथ उठाये। अब क्या आप मेरे लिए एक और चीज करेंगे? अपने हाथों को एक दूसरे पर रख ले। एक दूसरे पर अपने हाथ रख लें। अब हर कोई अपने सिर को झुका ले, और जैसे कि आप आराधनालय में थे, यहां इस मंच पर।

250 प्रिय परमेश्वर, यीशु मसीह के नाम में और उसकी उपस्थिति एक प्रमाणित उपस्थिति! यही वचन जो, प्रचार किया गया है इसने पुष्टि की है कि आप आज, कल और सर्वदा एक से है। होने पाए कि परमेश्वर का आत्मा लोगों कि इस भीड़ पर छा जाएं इसी समय इनमें से बहुत से आए हैं

और आपको अपना बचाने वाला स्वीकार किया है, बहुत से पिछड़े हुओं ने स्वीकार किया है और वापस आए हैं। ओह परमेश्वर, मैं यह यीशु मसीह के नाम में प्रार्थना करता हूं कि आप हर व्यक्ति को चंगा करेंगे। आपने कहा है, "विश्वास करने वालों के यह चिन्ह होंगे; यदि वे अपने हाथों को बीमार हो पर रखेंगे, वे चंगे हो जायेगे।" प्रभु आपने यह प्रतिज्ञा की है, और विश्वास करने वाले बालको ने अपने हाथ एक दूसरे पर रखे हैं।

251 शैतान, तो हार गया है। यीशु मसीह के नाम से तू इन लोगों में से बाहर आ जा और इन लोगों को परमेश्वर के राज्य के लिए जाने दे, यीशु के नाम में आमीन

252 अब वे सब जो विश्वास करते हैं कि यीशु मसीह अब उनका चंगा करने वाला है, और साथ ही आपका बचाने वाला और आप उसे उन्हीं आधारों पर स्वीकार करते हैं, अपने पैरों पर खड़े हो जाये कहे, "मैं अब यीशु को अपना चंगाकर्ता स्वीकार करता हूं, और साथ ही बचाने वाला।" शानदार! प्रभु की महिमा हो! प्रभु का धन्यवाद हो! अब हम अपने हाथों को उठाये और उसके लिए गाना गाए।

मैं उसकी महिमा करूंगा, मैं उसकी महिमा करूंगा,
मेम्ने की महिमा पापियों के लिए मारा गया;
सारे लोगों, उसकी महिमा करो,
क्योंकि उसके लहू ने हर दाग को धो दिया।

253 ओह, क्या आपको अच्छा अनुभव नहीं हो रहा है? अपने हाथों को लहराये। ओह प्रभु! आइए इसे फिर से गाये।

मैं उसकी महिमा करूंगा, मैं उसकी महिमा करूंगा,
मेम्ने की महिमा... (याद रखें कल, "आज, कल और
सर्वदा एक सा है," वह मेम्ना है।)
उसकी महिमा करो, सारे लोगों,
क्योंकि उसके लहू ने हर दाग को धो दिया।

254 आपको यह अच्छा लगता है? [सभा "हाल्लेलुय्या!" चिल्लाती है।—सम्पा।] आमीन। चलिए आगे बढ़कर किसी के साथ हाथ मिलाए। यह सभा की प्रभात है, बेदारी की शुरुआत कहे, "परमेश्वर आपको आशीष दे, भाई यात्री। परमेश्वर आपको आशीष दे।" यह बहुत अच्छा है। अच्छा है। शानदार! अब क्या आप विश्वास करते हैं, कि इसके बाद हमारी एक

बड़ी बेदारी होगी? ["आमीन।"] एक महान सभा के लिए, हम परमेश्वर का धन्यवाद देते हैं, अब हमारी एक महान बेदारी होने जा रही है। वे सब जो विश्वास करते हैं, "आमीन," कहे। ["आमीन।"]

मेरा विश्वास तुझे देखता है
तू मेम्ना (आइए अब उसे ताके) कलवरी का
ओह! दिव्य बचाने वाले;
अब जब मैं प्रार्थना करो तो मेरी सुनना,
मेरे सारे पापों को दूर कर देना,
ओह आज से मुझे पूरी रीती से
तेरा हो जाऊं!

जबकि जीवन की भूल–भूलया में मैं पैर रखू,
और मेरे चारों ओर दुख: बिखरे हो,
तू मेरा अगुवा होना;
निवेदन के अंधियारे दिन में बदल जाए,
दुख: के डर साफ हो जाए,
ओह मैं आज के दिन से
पूरी रीती से तेरा हो जाऊं!

255 आमीन! भक्त मंडली आमीन कहे, "आमीन।" [सभा "आमीन" कहती है।—सम्पा।] हाल्लेलुय्या!

ओह, उसकी महिमा करें,
मेम्ना की महिमा, पापियों के लिए मारा गया;
उसे महिमा दो, तुम सारे लोगों,
क्योंकि उसके लहू ने सारे दाग धो डाले।

कितना शानदार!

256 ठीक है, क्या हम अपने सिरों को अब आशीर्वाद के लिए झुकायेगे, मैं नहीं जानता, इसे करने के लिए किसे चुना गया है। भाई जॉनी मानाडल कैलिफोर्निया से, जबकि हमारे सिर झुके हुए हैं। अब कल रात्रि के लिए ना भूलें, वह पहली शुरुआत है। कल रात्रि बेदारी ठीक यही पर होगी, ठीक यही इसी भवन में, साढ़े सात बजे।

257 परमेश्वर आपको आशीष दे। क्या आपने परमेश्वर की उपस्थिति का आनंद लिया? [सभा "आमीन" कहती है।—सम्पा।] आमीन। हम अपने सिरो को झुकाए जबकि भाई जॉनी हमें विसर्जित करते हैं।

अपनी समझ का सहारा ना लेना HIN65–0120

(Lean Not Unto Thy Own Understanding)

यह सन्देश भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में बुधवार शाम, 20 जनवरी, 1965 को फुल गोस्पल बिसनेसमेंस फ़ेलोशिप इंटरनेशनल कन्वेंशन के लिए, रामदा इन, फिनिक्स, एरिजोना, यु.एस.ए में प्रचारित किया गया। इसे चुम्बकीय टेप रिकॉर्डिंग से लिया गया है और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोईस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग के द्वारा छापा गया और बाँटा गया है।

HINDI

©2018 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org